डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/101/2020-22

वर्ष : 09 >अंक : 24 >मूल्य: 10 रुपए >पृष्ठ : 08

साप्ताहिक समाचार

मीडिया दृष्टिकोण

हिलव्यू समाचार

घनघोर अंधेरे को भगाने के लिए दीये की एक रोशनी ही काफी है।
-शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर, बुधवार, 14 दिसम्बर 2022

R.N.I. No. RAJHIN/2014/56746

website: www.hsnews.in

अतिक्रमण व अवैध निर्माणों में सरकार बनी धृतराष्ट्र और प्रशासन बना दुःशासन

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत

शालिनी श्रीवास्तव

जयपुर। गलता गेट गोवर्धनपुरी में कनकबिहारी मंदिर जो कि निजी मंदिर था उसे सार्वजनिक मंदिर का रूप दे दिया गया है लेकिन उसकी सारे कार्यकलाप निजी तौर पर अधिकृत हैं बिहारी साधु सियारामदास द्वारा-

- उसकी इच्छा से मंदिर खुलता है बन्द होता है।
- उसकी इच्छा से भक्तगण अंदर प्रवेश पाते हैं।
- हर किसी को जाने की अनुमति नहीं।
- इस मंदिर का देवस्थान विभाग में कोई रिकॉर्ड नहीं

न ही इसके लिए कोई रजिस्टर्ड ट्रस्ट है अदालत में झूठे शपथपत्र में साधु सियारामदास ने लिखित झूठे बयान दिए हैं कि यह मंदिर सार्वजनिक है और इसमें कोई अतिक्रमण या अवैध नवनिर्माण नहीं हो रहा।

कनक बिहारी मंदिर के नाम पर अवैध गतिविधियाँ, अवैध निर्माण और अतिक्रमण करते हुए सियारामदास साधु ने राजकीय बालिका विद्यालय की करोड़ों की ज़मीन हथियाने का मिशन छेड़ रखा है जिसमें उसने विधायक रफ़ीक़ ख़ान आदर्शनगर विधानसभा (स्थानीय विधायक) की शरण ले रखी है। रफ़ीक़ ख़ान की रसूख के चलते शासन और प्रशासन दोनों की निष्क्रियता जगज़ाहिर है।

गलता गेट गोवर्धनपुरी निवासी राकेश मीणा व आम पीड़ित जनता द्वारा लगातार पत्र व्यवहार,सूचना का अधिकार सहित सूचनाएँ शासन-प्रशासन को दी जा रही हैं कि कनक बिहारी मंदिर की आड़ में राजकीय बालिका विद्यालय गलता गेट गोवर्धनपुरी में अतिक्रमण हो रहा है उस पर अवैध निर्माण की लगातार चरणबद्ध सूचना दी गयी है जिस को लगातार दरकिनार किया जा रहा है।

क्या मुख्यमंत्री अनभिज्ञ है सारे मामले से?

पीड़ितों द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्यवाही या सरकार द्वारा बालिका शिक्षा विद्यालय हेतु इस भूमि व अवैध निर्माण को जस की तस अधिग्रहण की माँग लगातार जारी है लेकिन इसे डाला जा रहा ठंडे बस्ते में और डाल कर सरकार कुम्भकरण की नींद सोई है और प्रशासन की मिलीभगत और निष्क्रियता लगातार जारी है।

शासन प्रशासन की मिलीभगत से अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास के हौसले बुलंद हैं कि अब तक अवैध निर्माण जारी है...आख़िर क्यों?

शासन और प्रशासन के सभी दिग्गजों के संज्ञान में पिछले 4 माह से लगातार मामला आ रहा है लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई है अब तक। ढोंग धतूरे सब चालू हैं। जाँच कमेटी कछुए की चाल से चल रही है। आख़िर क्या वजह है कि सरकार कुम्भकरण की नींद सोई है और प्रशासन दु:शासन बनकर जनता के हितों व अधिकारों का चीरहरण कर रहा है। कहने सुनने वाला कोई नहीं। गहलोत सरकार सफलता के चार वर्ष का जश्न मना रही है लेकिन अवैध निर्माण और अतिक्रमण के अंसख्य मामलों का ग्रहण गहलोत सरकार को अँधेरे भविष्य में धकेल रहा है।

यह है मुख्य पैनल जिन्हें लगातार सूचित किया गया है कि सरकार की करोड़ों-अरबों की ज़मीन जो कि बालिका विद्यालय के लिये जेडीए द्वारा आवंटित की गई थी उसे एक बिहारी साधु सियारामदास द्वारा हथियाया जा रहा है....लेकिन जैसे या तो इन सबको साँप सूंघ गया है या इन्होंने कुबेर के ख़ज़ाने को सूँघ लिया है कि इन सबके आँख नाक कान बन्द है और कर्तव्य को कूड़ा समझकर इन सब ने जीवन से निकाल अपने फैंका है।

रफ़ीक़ ख़ान, विधायक
आदर्शनगर विधानसभा

नकली हिंदुत्व व धर्म की आड़ में बाहरी राज्यों के कई सेठ, साहूकार धर्मार्थियों, श्रद्धालुओं से नकली मंदिर की आड़ में करोड़ों-अरबों रुपये का चंदा इकठ्ठा नक़ली मंदिर निर्माण में सहयोग राशि केनाम पर अरबों रुपयों का घपला व राजकीय बालिका विद्यालय की ज़मीन पर अवैध निर्माण जारी

अतिक्रमणकारी साधु सियारामदास, कनकबिहारी मंदिर, गलता गेट, जयपुर

सभी ज़िम्मेदार मंत्री व अधिकारी मौन है, क्यो?

शांति धारीवाल, यूडीएच मंत्री, राजस्थान सरकार

यूडीएच प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा (IAS)

प्रकाश राजपुरोहित
जिला कलेक्टर, जयपुर

नीलकमल मीणा (RPS) उपायुक्त सतर्कता नगर निगम हैरीटेज

विश्राम मीणा, आयुक्त
नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

सुरेश राव, उपायुक्त आदर्शनगर जोन,
नगर निगम हैरिटेज, जयपुर

अतिक्रमण और अवैध निर्माण के विरुद्ध खड़ा पीड़ित राकेश आमजन, गोवर्धनपुरी गलतागेट, जयपुर

हृदेश कुमार शर्मा, निदेशक स्थानीय निकाय विभाग राजस्थान

आनंद श्रीवास्तव
पुलिस आयुक्त, जयपुर

परिस देशमुख
पुलिस उपायुक्त (उत्तर)

सुनील प्रसाद शर्मा, एसीपी रामगंज
अनुसंधान अधिकारी

भगवानसहाय एसएचओ
थाना गलता गेट

शासन प्रशासन के इन सभी महानुभावों के संज्ञान में सारा मामला है लेकिन दबाव,मिलीभगत या निष्क्रियता ने इनके हाथ बाँध दिए हैं...

- शांति धारीवाल, यूडीएच मंत्री, राजस्थान सरकार
- कुंजीलाल मीणा (IAS),यूडीएच प्रमुख शासन सचिव, राजस्थान
- हृदेश शर्मा, निदेशक, स्थानीय निकाय विभाग, राजस्थान
- मुनेश गुर्जर, महापौर, नगर निगम हैरीटेज, जयपुर
- प्रकाश राजपुरोहित, जिला कलेक्टर, जयपुर
- रफ़ीक़ ख़ान, विधायक, आदर्शनगर
- विश्राम मीणा, आयुक्त, नगर निगम हैरीटेज, जयपुर
- नीलकमल मीणा (RPS), उपायुक्त सतर्कता, नगर निगम हैरीटेज, जयपुर
- सुरेश राव, आदर्शनगर जोन, नगर निगम हैरीटेज, जयपुर
- पूर्व डीजीपी एम.एल.लाठर
- आनंद श्रीवास्तव, पुलिस आयुक्त, जयपुर
- परिस देशमुख,
- पुलिस उपायुक्त (उत्तर)
- सुनील प्रसाद शर्मा,अनुसंधान अधिकारी,एसीपी रामगंज
- भगवानसहाय मीणा, एसएचओ गलतागेट थाना

एमएल लाठर
पूर्व डीजीपी

मुनेश गुर्जर महापौर,
नगर निगम हैरीटेज, जयपुर

सुप्रीम कोर्ट के पार्क नियमों के आदेशों की धज्जियाँ उड़ा रहा एक साधारण सा वार्ड 94 भाजपा पार्षद घनश्यामदास चंदलानी

कार्यालय संवाददाता

जयपुर। सिंधी कॉलोनी सत्कार मैरिज हॉल के दाईं ओर टी पॉइंट पर सर्वानन्द पार्क स्थित हैं जहाँ सुबह सैकड़ों लोग स्वास्थ्य लाभ लेने आते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार किसी भी सार्वजनिक पार्क,उद्यान या बग़ीचे में किसी भी तरह का उत्सव,समारोह या निजी कार्य नहीं किया जा सकता न ही यहाँ पर कोई आस्था का प्रतीक मंदिर, मस्ज़िद या गुरुद्वारा या चर्च स्थापित किया जा सकता। यह एक सार्वजनिक स्थल है जो स्वास्थ्य की दृष्टि से रिहायशी इलाकों में स्कीम द्वारा सरकार या कॉलोनाइजर द्वारा दिया जाता है। पार्क के पूर्ण होने के बाद सोसाइटी उसकी देखरेख का संचालन कर सकती है किंतु किसी भी तरह का निर्माण इसमें नहीं किया जा सकता लेकिन वार्ड 94 के पार्षद घनश्यामदास चंदलानी ने सर्वानन्द पार्क में साईं मंदिर के पास 100x30 का हॉल अवैध निर्माण कर लिया और राजनैतिक पार्टी भाजपा का कार्यकलाप कर रहा है। क्या गहलोत सरकार को ये नज़र नहीं आ रहा?

शासन-प्रशासन आख़िर पार्कों पर होने वाले अवैध कब्ज़ों पर शिकंजा क्यों नहीं कस रहा?

घनश्याम दास चंदलानी के सैकड़ों अवैध प्रोजेक्ट सांठगांठ,पार्टनशिप और स्वयं ऑनरशिप से चल रहे हैं। आदर्शनगर ज़ोन ने अब तक इसके किसी भी अवैध प्रोजेक्ट को टारगेट नहीं किया है.....क्यों?

- प्लॉट नं. 88, रामगली न. 06,आदर्श नगर,राजापार्क बिना सेटबैक छोड़े,बिना अनुमति,बिना नक़्शे के अप्रूव्ड के धड़ाधड़ बन रही है।
- ताज़ाफल वाली रोड़, शांतिपथ,सिंधी कॉलोनी प्लॉट नं. 314 में अवैध निर्माण बेसमेंट से शुरू हो गया। पार्षद घनश्यामदास चंदलानी वार्ड 94 आम जनता का शोषण कर रहा है और सरकार की नाक के नीचे अवैध निर्माण के लगातार संचालन कर रहा है। प्रशासन ने अब तक कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की इन अवैध निर्माणों पर यह एक यक्ष प्रश्न है गहलोत सरकार के लिए।

रामगली न.06,प्लॉट न.88,आदर्शनगर,राजापार्क

अगले अंक में घनश्यामदास चंदलानी के फिर दो अवैध निर्माणों का खुलासा

1. साईंकृपा, जवाहर नगर रोड़ वाली बिल्डिंग पर झूठा शपथ पत्र
2. श्यामपान भंडार,बर्फ़खाने के पास चार शोरूम

सम्पादकीय

विविध रंगों वाला विश्वविद्यालय जेएनयू

एक ऐसी तस्वीर भी जिसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए

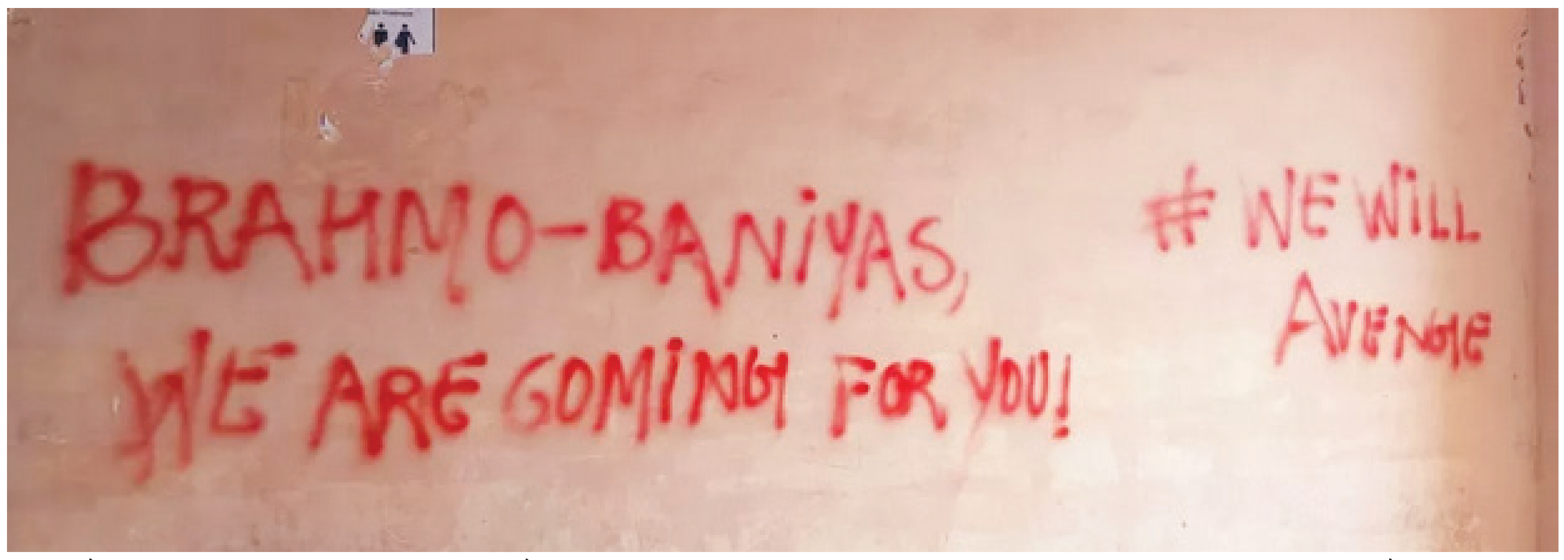

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार विश्वविद्यालय परिसर में जाति का जहर घोलने का काम किया गया। इसमें दोराय नहीं कि ऐसे कृत्य जेएनयू के दीर्घकालिक महत्व को कमजोर करते हैं, क्योंकि शिक्षक और विद्यार्थी की कोई जाति नहीं होती। कहा भी गया है कि 'जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान।' 1969 में अपनी स्थापना के समय से ही जेएनयू हमेशा ही उत्कृष्टता, रचनात्मकता और बौद्धिकता की अनवरत खोज में रहा है। हालांकि वहां कई बार विचारधाराओं का टकराव होता रहा है, पर कभी लोगों ने शालीनता नहीं छोड़ी, लेकिन अब ये विरोध विद्रूप होते जा रहे हैं। जेएनयू की एक खास छवि रही है। विचारों की दुनिया में तो इसका विशेष स्थान है। दुख की बात यह है कि कुछ लोग इसकी इसी लोकप्रियता का दुरुपयोग अपने एजेंडे एवं नैरेटिव को आगे बढ़ाने के लिए करते रहे हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय परिसर को खेमों में बांटकर इसकी वर्षों की कमाई गई प्रतिष्ठा को धूमिल करने का काम किया है।

अमेरिका की हार्वर्ड यूर्निवर्सिटी की तर्ज पर बनाए गए इस विश्वविद्यालय में प्राचीन नालंदा से लेकर मास्को एवं पेरिस विश्वविद्यालय सहित लंदन स्कूल आफ इकोनमिक्स तक के विचार समाए हैं। जेएनयू ने गरीब परिवारों से आने वाले छात्रों के लिए भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना संभव बनाया है। सामान्य आरक्षण के अलावा जेएनयू एकमात्र ऐसा शिक्षा संस्थान है, जहां महिलाओं, गरीबों एवं पिछड़े क्षेत्र से आने वाले छात्रों को अतिरिक्त वरीयता दी जाती है। उच्च शिक्षा की आकांक्षा रखने वाले देश के तमाम युवाओं का यहां पढ़ने का सपना होता है। इसी कारण इस विश्वविद्यालय की महत्ता बनी हुई है। विश्व की लगभग सभी भाषाएं यहां पढ़ाई जाती हैं।

जेएनयू में सामाजिक विज्ञान, आधुनिक विज्ञान के साथ ही बदलते समय में स्कूल आफ मैनेजमेंट और स्कूल आफ इंजीनियरिंग भी आरंभ हुआ है। यहां यूपीएससी के आकांक्षी हैं तो दूसरी तरफ शोध उन्मुख विद्वान भी। मंत्री, अकदामिक विद्वान, चर्चित नौकरशाह देने का श्रेय भी जेएनयू को है। लगभग आठ हजार से ज्यादा छात्रों और करीब 450 शिक्षकों वाला यह संस्थान भारत की सभी रैंकिंग में शीर्ष पर रहता है। इसका नाम दुनिया भर के अच्छे विश्वविद्यालयों में भी शामिल है।

यहां की समालोचनात्मक मानसिकता उच्च बुद्धि की सूचक है। जेएनयू शिक्षा जगत और बाहरी दुनिया के बीच संबंधों पर खुलकर संवाद करता है। वास्तव में जेएनयू सवाल करना, बहस करना एवं असहमति को स्वीकार करने की क्षमता विकसित करता है। इसीलिए विश्वविद्यालय जीवंत चर्चाओं के लिए जाना जाता है। देश के सबसे बड़े राष्ट्रीय पुस्तकालयों में से एक जेएनयू लाइब्रेरी सहित पार्थसारथी राक्स (कैंपस के जंगल में छोटा-सा टीला) और गंगा ढाबा आज भी बौद्धिक चर्चाओं के केंद्र हैं। यह भी माना जाता है कि विभिन्न विषयों की तह तक जाने की जैसी चाह जेएनयू में है, वैसी अन्यत्र कहीं नहीं।

कुछ 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' के चलते कोई भी इस विराट विश्वविद्यालय को गलत रूप में चित्रित नहीं कर सकता, क्योंकि इन चंद लोगों के अलावा जेएनयू के ज्यादातर विद्यार्थी अपने काम से देश को गौरवान्वित करते रहे हैं। राष्ट्र निर्माण में इस विश्वविद्यालय और इसके छात्रों की अहम भूमिका है। प्रत्येक वर्ष जेएनयू के कई छात्र-छात्राएं प्रशासनिक, पुलिस और विदेश सेवाओं में जाते हैं। अभी हाल के वर्षों में भारतीय आर्थिक सेवा में शीर्ष रैंकिंग के साथ ही लगभग 70 प्रतिशत चयनित उम्मीदवार जेएनयू के ही थे। आज इसके पूर्व छात्र-छात्राएं नीति संस्थानों और मीडिया के उच्च पदों पर आसीन हैं। साथ ही कई विश्वविद्यालयों के कुलपति, महत्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थानों के अध्यक्ष एवं अनुसंधान संस्थानों के निदेशक जेएनयू से जुड़े हैं। कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी जेएनयू से ही पढ़े हैं। फिल्मी दुनिया तक के कई चर्चित नाम जेएनयू के पूर्व छात्र-छात्राएं रहे हैं। स्थापना के पांच दशकों के बाद आज भी जेएनयू दुनिया के तमाम विकसित देशों की सूची में इतनी काबिलियत तो रखता ही है कि उसे कोई नजरअंदाज न कर पाए।

पिछले दिनों जेएनयू की चर्चा उसकी दीवारों पर लिखे गए कुछ अपशब्दों के चलते हो रही थी, पर शायद ही कभी यह बताया गया हो कि इसी विश्वविद्यालय में सेना को समर्पित एक 'वाल आफ हीरोज' भी स्थापित है, जहां 21 परमवीर चक्र पुरस्कार विजेताओं के चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। विरोध-प्रदर्शनों के अलावा भी इस विश्वविद्यालय की एक बड़ी तस्वीर है, जिसमें देशभक्ति है और कुछ कर गुजरने का जज्बा और नेतृत्व करने का साहस है। जेएनयू में भारतीय संस्कृति के सभी रंग झलकते हैं। वहां छोटे-बड़े सभी राज्यों के छात्र-छात्राएं अध्ययन करते हैं। परिसर में इमारतों, छात्रावासों, सड़कों और सुविधाओं के नाम भारतीय विरासत और संस्कृति से लिए गए हैं। यह भारत की सबसे अच्छी सांस्कृतिक और भौगोलिक तस्वीर का प्रतिनिधित्व करता है।

यह लगभग तय है कि राजनीतिक और वैचारिक आधार पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तो चलता ही रहेगा, लेकिन इसके साथ ही हमें ऐसी गतिविधियों को भी रोकना होगा, जो राष्ट्र-विरोधी हैं या राष्ट्र की संप्रभुता के खिलाफ हैं। आज यह आवश्यक है कि किसी भी वैचारिक सोच से ज्यादा हम सभी राष्ट्रीय हित में बात करें। भारतीयता जेएनयू की विरासत है और इसे मजबूत करना हमारा कर्तव्य है।

बनाएं क्लाउड कंप्यूटिंग में करिअर

2025 तक देश में करीब 20 लाख प्रोफेशनल्स की होगी जरूरत

क्लाउड कंप्यूटिंग पर आधारित कामकाज देश और दुनिया में तेजी से बढ़ रहा है. माना जा रहा है कि 2025 तक देश में करीब 20 लाख क्लाउड पोफेशनल्स की जरूरत होगी. आईटी सेक्टर में रुचि रखने वाले युवा इस तकनीक में कुशलता हासिल कर क्लाउड कंप्यूटिंग के मास्टर के रूप में अपने करिअर को उड़ान दे सकते हैं.

इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक हो या वीडियो शेयरिंग प्लेटफार्म यूट्यूब, इन पर रोजाना लाखों की संख्या में वीडियो एवं तस्वीरें अपलोड होती हैं. इतने सारे वीडियो को इंस्टाल करने के लिए जिस तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, वह है क्लाउड कंप्यूटिंग. गूगल ड्राइव भी एक बेहतरीन उदाहरण कहा जा सकता है, जो इसी टेक्नोलाजी की मदद से हजारों की संख्या में फोटोज, वीडियोज, डाक्यूमेंट्स को स्टोर करता है. इसने कारोबार को पहले से कहीं अधिक सरल एवं सुविधाजनक बना दिया है. एक रिपोर्ट के अनुसार, आने वाले वर्षों में अगर तमाम एसएमईज क्लाउड कंप्यूटिंग को अपनाती हैं तो इसका बाजार 56 बिलियन डॉलर के आसपास पहुंच जाएगा. इससे 1.1 मिलियन अतिरिक्त नौकरियों के सृजित होने की संभावना है. नैसकाम की रिपोर्ट के अनुसार, 2025 तक भारत को 20 लाख के करीब क्लाउड कंप्यूटिंग प्रोफेशनल्स की जरूरत होगी. इसका तात्पर्य है कि युवाओं को बड़े स्तर पर इस क्षेत्र में कुशल बनाने की आवश्यकता है.

सेवाएं प्रदान करना

क्लाउड कंप्यूटिंग एक ऐसी टेक्नोलाजी है जिसके द्वारा इंटरनेट का इस्तेमाल कर विभिन्न प्रकार की सेवाएं प्रदान की जा सकती हैं. चाहे वह सॉफ्टवेयर प्रदान करना हो या सर्वर पर स्टोरेज स्पेस देना या कोई और सेवा. इसमें किसी भी प्रकार की कंप्यूटर की सर्विस को इंटरनेट के जरिए यूजर की मांग पर उसे प्रदान किया जाता है.

जैसे, इस टेक्नोलाजी में यूजर को इंटरनेट के एक सर्वर पर (जिसे क्लाउड भी कहते हैं) डाटा स्टोरेज की सुविधा दी जाती है. यूजर क्लाउड पर सर्विस खरीदकर अपना डाटा उस पर सेव कर सकता है. यह डाटा वह दुनिया में कहीं से भी एक्सेस कर सकता है. क्लाउड कंप्यूटिंग में बड़े सिस्टम्स को प्राइवेट या पब्लिक नेटवर्क से जोड़कर डाटा और फाइल स्टोर कर सकते हैं. इस टेक्नोलाजी से कंप्यूटेशन, एप्लीकेशंस होस्टिंग, कंटेंट के स्टोरेज और डिलिवरी प्रोसेस में आने वाला खर्च काफी हद तक कम हो सकता है. इसकी मदद से एक संस्था या कंपनी अपने इंफ्रास्ट्रक्चर में अधिक बदलाव लाए बिना विकास कर सकती है. उन्हें रिसोर्सेज एवं डाटा की शेयरिंग में काफी फायदा होता है. इससे वायरस से होने वाले नुकसान के खतरे कम हो गए हैं. क्लाउड आधारित कंप्यूटर सिस्टम पर काम करने वाले को न किसी हार्डड्राइव की जरूरत होती है और न ही मदर बोर्ड की. सिर्फ कीबोर्ड, माउस, स्क्रीन और मोडम की मदद से कंप्यूटर को आपरेट किया जा सकता है. इससे मैनपावर की जरूरत और खर्चे कम हो गए हैं.

कैसे करता है काम

क्लाउड मुख्य रूप से 3 प्रकार के होते हैं- प्राइवेट, पब्लिक और हाइब्रिड. प्राइवेट क्लाउड के तहत एक कंपनी को प्राइवेट डोमेन दिया जाता है. इससे कंपनी को प्राइवेसी के साथ संवेदनशील डाटा की पूरी सुरक्षा मिलती है. पब्लिक क्लाउड में एक्सटर्नल प्रोवाइडर्स मल्टीपल क्लाइंट्स को क्लाउड असाइन करते हैं. इसके एवज में उन्हें एक निश्चित रकम अदा करनी होती है. सभी क्लाइंट्स सिंगल क्लाउड पर ऑपरेट करते हैं. वहीं, हाइब्रिड क्लाउड पब्लिक और प्राइवेट का कांबिनेशन होता है. क्लाउड कंप्यूटिंग में महंगे साफ्टवेयर पैकेजेज और हार्डवेयर सिस्टम्स इंस्टाल करने की जरूरत नहीं होती. सीधे इंटरनेट से सर्विस प्रोवाइडर को रकम देकर साफ्टवेयर को डाउनलोड किया जा सकता है.

शैक्षिक योग्यता

क्लाउड कंप्यूटिंग में करिअर बनाने के लिए स्टूडेंट्स के पास किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस या बीटेक में स्नातक के अलावा क्लाउड कंप्यूटिंग में स्पेशलाइजेशन एवं पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री होनी चाहिए. वे क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन में बीटेक, स्टोरेज एंड क्लाउड कंप्यूटिंग में मास्टर्स या फिर आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट जैसे कोर्स कर सकते हैं. हर संस्थान में कोर्स के अनुसार पात्रता निर्धारित होती है. वैसे, जिन छात्रों को इसमें आगे बढ़ने का जुनून है, वे डिप्लोमा या डिग्री कोर्स करके भी आ सकते हैं. इन दिनों ऑफलाइन एवं ऑनलाइन कई एडवांस सर्टिफिकेशन कोर्सेज भी ऑफर किए जा रहे हैं.

प्रमुख संस्थान
- एसआरएम यूनिवर्सिटी, चेन्नई
- एलपीयू, जालंधर
- प्रेसिडेंसी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू
- शूलिनी यूनिवर्सिटी, सोलन

जरूरी कौशल

क्लाउड कंप्यूटिंग के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोग्रामिंग के अलावा डाटाबेस मैनजमेंट, क्लाउड एनवायरनमेंट सिक्योरिटी, नेटवर्क मैनेजमेंट, एआई, मशीन लर्निंग जैसी स्किल्स होनी चाहिए. आपको कोडिंग के अलावा जावा स्क्रिप्ट, पाइथन प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की जानकारी रखनी होगी. वर्चुअल नेटवर्क एवं क्लाउड नेटवर्किंग की जितनी बेसिक नॉलेज होगी, उतना अच्छा. डाटा इंटिग्रेशन, डाटा एनालिटिक्स, डाटा माइनिंग जैसी स्किल्स भी आगे बढ़ने का भरपूर मौका देती है.

संभावनाएं

भारत में ई-कामर्स कंपनियां और एसएमईज में क्लाउड कंप्यूटिंग पेशेवरों की मांग है, जो दिनोंदिन बढ़ ही रही है. क्लाउड कंप्यूटिंग करने के उपरांत क्लाउड साफ्टवेयर इंजीनियर, क्लाउड इंजीनियर, क्लाउड ओटोमेशन इंजीनियर, डाटा इंजीनियर, बैकएंड डेवलपर, डेवलपमेंट आपरेशंस इंजीनियर, फ्रंट एंड डेवलपर, फुल स्टैक डेवलपर, क्लाउड सिस्टम्स एडमिनिस्ट्रेटर, क्लाउड सर्विस डेवलपर, क्लाउड आर्किटेक्ट, क्लाउड कंसल्टेंट, क्लाउड प्रोडक्ट मैनेजर, क्लाउड सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट के रूप में कार्य कर सकते हैं. टीसीएस, इंफोसिस, एचसीएल, टेक महिंद्रा जैसी कंपनियां क्लाउड कंप्यूटिंग के प्रोफेशनल्स को बड़े पैमाने पर नियुक्त करती हैं.

एजुकेशन क्षेत्र में यदि करिअर बनाना चाहते हैं तो इस फील्ड से जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातें जानना जरूरी है. कुछ बेसिक डिग्री या फिर डिप्लोमा कोर्स करने के बाद ही पढ़ाई से जुड़े संस्थानों में रोजगार के अवसर मिल सकते हैं, इसलिए टीचिंग से जुड़े कोर्सेस के बारे में जानते हैं.

डिप्लोमा, डिग्री या एलिमेंट्री एजुकेशन टीचर बनने कौन सा करें कोर्स

डीएड

टीचर बनने के लिए D.Ed यानी डिप्लोमा इन एजुकेशन का कोर्स किया जा सकता है. D.Ed डिप्लोमा करने के लिए स्टूडेंट्स को मान्यता प्राप्त संस्थान से 10+2 पास होना आवश्यक है. इस डिप्लोमा कोर्स में एडमिशन लेने के लिए अलग-अलग कॉलेज में मेरिट लिस्ट, डायरेक्ट या फिर इंट्रेंस एग्जाम पास कर लिया जा सकता है. इस डिप्लोमा कोर्स के पूरा होने पर व्यक्ति सरकारी या गैरसरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से लेकर 8वीं कक्षा तक के बच्चे को पढ़ा सकते हैं.

बीएड

B.Ed यानी बैचलर ऑफ एजुकेशन. इस कोर्स से ज्यादातर लोग परिचित होते हैं, लेकिन यह कैसे किया जाए, यह समझ पाना मुश्किल हो सकता है. बैचलर ऑफ एजुकेशन (B.Ed) के लिए किसी भी सब्जेक्ट से ग्रेजुएट होना जरूरी है. इसके लिए इंट्रेंस एग्जाम पास करना होता है. जो हर राज्य द्वारा प्रत्येक वर्ष होता है. इस इंट्रेंस एग्जाम को पास करने के बाद B.Ed कॉलेज में एडमिशन लिया जा सकता है. यह 2 साल का कोर्स होता है. वैसे B.Ed करने के बाद CTET क्वालिफाइड करना भी जरूरी है.

बीईएलएड

बैचलर ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन यानी B.El.Ed. अंडरग्रेजुएट डिग्री कोर्स है. इस डिग्री कोर्स के पूरा होने पर आप 6 साल से बड़े और 12 साल से कम उम्र के बच्चों को पढ़ाने के लिए एलिजिबल हो जाते हैं. ऐसे स्टूडेंट्स, जिन्होंने पहले से ही टीचिंग के क्षेत्र में करिअर बनाने की ठानी है, तो उनके लिए यह सबसे अच्छा कोर्स माना जाता है. B.El.Ed. करने के लिए इंट्रेंस एग्जाम पास करने के साथ ही कैंडिडेट की काउंसलिंग की प्रक्रिया भी होती है और इसे पास करने के बाद ही बैचलर ऑफ एलिमेंट्री एजुकेशन में एडमिशन मिलता है. यह कोर्स 4 साल का होता है. कोर्स पूरा होने के बाद सरकारी या गैर सरकारी स्कूलों में जॉब मिलने की संभावना बढ़ जाती है.

सक्सेस Story

यूपीएससी 2021 की परीक्षा में इशिता राठी ने 8वीं रैंक प्राप्त की. इशिता ने बिना कोचिंग के परीक्षा की तैयारी की और सफलता प्राप्त की.

बिना कोचिंग के हासिल की 8वीं रैंक

इशिता के पिता दिल्ली पुलिस में हेड कांस्टेबल हैं और मां एएसआई हैं. उन्होंने अपने माता-पिता को देखकर देश की सेवा करने का सपना देखा और तीसरे प्रयास में यूपीएससी परीक्षा की. इशिता ने इतनी अच्छी रैंक की उम्मीद नहीं की थी. उन्हें यकीन भी नहीं था कि वह फाइनल में पहुंच पाएंगी लेकिन उन्होंने ऐसा किया और यह उनके लिए भी चौंकाने वाला रहा है.

अर्थशास्त्र में किया है पीजी

मद्रास स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी करने वाली इशिता ने कहा कि उन्होंने परीक्षा पास करने के लिए किसी कोचिंग का विकल्प नहीं चुना. अपनी तैयारी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि मैंने कोई कोचिंग नहीं ली, लेकिन अपने वैकल्पिक विषय (अर्थशास्त्र) के लिए मैंने मेंटरिंग ली थी और अब बहुत सारी मुफ्त सामग्री उपलब्ध है, जिससे छात्र मदद ले सकते हैं और परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं.

ऐसे बनाई तैयारी की रणनीति

उसने पिछले वर्षों के टॉपर्स को सुनकर परीक्षा रणनीति तैयार की. भूगोल और राजनीति जैसे कुछ विषयों के लिए एनसीईआरटी की किताबें पढ़ीं. उन्होंने कहा कि समाचार पत्र और करंट अफेयर्स पढ़ने से मदद मिलती है. मैंने यूपीएससी की तैयारी के लिए लोकप्रिय किताबों से भी मदद ली. यूपीएससी परीक्षा की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों के लिए वह कहती हैं कि यह एक ऐसी परीक्षा है, जहां अभ्यर्थी को सभी विषयों को जानने की जरूरत होती है और समयबद्ध तरीके से तैयारी करने से मदद मिलती है. पूरे आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करने से जरूर सफलता मिलती है.

IIM सें करें सर्टिफिकेट प्रोग्राम

यह कोर्स सप्लाई चेन और ऑपरेशन फील्ड से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए शुरू किया गया है. यह कोर्स 10 महीने का है और इसकी शुरुआत 18 फरवरी 2023 से होगी.

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईएम) रायपुर ने नया कोर्स एग्जीक्यूटिव सर्टिफिकेट प्रोग्राम फॉर स्ट्रेटेजिक चीफ मार्केटिंग ऑफिसर्स लॉन्च किया है. इस कोर्स की शुरुआत 18 फरवरी 2023 से होगी. आवेदन करने की अंतिम तारीख 29 दिसंबर, 2022 है. आईआईएम रायपुर ने इस कोर्स को प्रोफेशनल एजुकेशन फर्म इमार्टिकस लर्निंग के साथ मिलकर शुरू किया है. इसके लिए आवेदन करने के लिए वेबसाइट https//imarticus.org/ पर जाएं. यहां 'मार्केटिंग अंडर अवर प्रोग्राम' पर क्लिक करें. इसके बाद आईआईएम रायपुर प्रोग्राम पर क्लिक करें. अब नाम, ईमेल और मोबाइल नंबर दर्ज करके रजिस्ट्रेशन कराएं. यह 10 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स है, जिसे खासतौर पर प्रोफेशनल्स के लिए डिजाइन किया गया है. इस सर्टिफिकेट प्रोग्राम को कस्टमर की जरूरतें, मार्केटिंग स्ट्रेटेजी को तैयार करना और बिजनेस से जुड़े निर्णय लेने के साथ उसे लागू करने के तरीकों को समझाने के लिए डिजाइन किया गया है. कोर्स करने वाले कैंडिडेट्स को इंडस्ट्री से जुड़े एक्सपर्ट्स ट्रेनिंग देंगे. इसके अलावा आईआईएम रायपुर की फैकल्टी भी 120 घंटों के लाइव सेशन लेगी.

कॅरिअर के लिए जरूरी है डिजिटल स्किल

अगर आप अपने करिअर को लेकर काफी सीरियस हैं और इस मॉडर्न युग में अच्छे वेतन वाला रोजगार पाना चाहते हैं तो आपके अंदर कुछ डिजिटल स्किल्स तो अवश्य ही होनी चाहिए. कुछ स्किल्स काफी तकनीकी और कठिन होती हैं तो कुछ स्किल्स कम मेहनत में भी आपको आ जाती हैं. इसलिए आपको दोनों तरह की स्किल्स से अवगत होना चाहिए. अगर आप तकनीकी बैकग्राउंड से हैं तो आपको इन स्किल्स के बारे में थोड़ा ज्ञान होगा. लेकिन अगर आप बिल्कुल नए हैं और आपको ज्यादा ज्ञान नहीं है तो जानिए कुछ ऐसी स्किल्स के बारे में, जो आपको अच्छा रोजगार दिलाने में मददगार हो सकती हैं.

- **प्रोग्रामिंग : वेब और एप डेवलपमेंट** – किसी भी डिजिटल या फिर टेक्निकल स्टार्टअप की बुनियाद ही कोडिंग होती है, इसलिए आपको प्रोग्रामिंग को जरूर सीखना चाहिए ताकि आप वेब और एप डेवलपमेंट का काम आसानी से कर सकें.
- **बिजनेस एनालिसिस** – कोई भी बिजनेसमैन भविष्य में अपने बिजनेस के लिए सोच-समझकर कदम उठाता है. इसलिए डिजिटल बिजनेस एनालिसिस आज के समय काफी डिमांडिंग है.
- **डिजाइन और डेटा विजुअलाइजेशन** : वेबसाइट और डिजिटल प्लेटफार्म में एक चीज आम होती है और वह है यूजर इंटरफेस. कोई भी ऐसा डिजाइनर जिसे यह काम काफी अच्छे से आता हो, तो आज के समय में वह इसमें काफी अच्छा करिअर बना सकता है.
- **प्रोजेक्ट मैनेजमेंट** : डिजिटल प्रोडक्ट्स और सर्विस को बनाने के लिए यह मैनेजमेंट आना काफी जरूरी होता है. अगर आपको इस काम को करने के तरीकों का ज्ञान है तो आप इस क्षेत्र में काफी अच्छा परफॉर्म कर सकते हैं.
- **मार्केटिंग** : इसके बारे में तो आपने काफी सुना होगा. कंपनी अपने प्रोडक्ट्स और सर्विस को प्रमोट करने के लिए डिजिटल मार्केटिंग का प्रयोग करती हैं. इसलिए यह स्किल भी आज के समय काफी जरूरी है.

बोर्ड परीक्षा में इन गलतियों से बचना है जरूरी

साल 2023 में 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले स्टूडेंट्स इन दिनों अपनी तैयारी में जुटे हुए हैं. फाइनल बोर्ड परीक्षा से पहले स्कूलों में प्री-बोर्ड परीक्षा होगी, जिससे स्टूडेंट्स को अपनी तैयारी का आंकलन करने में मदद मिल जाएगी. अगर सही स्ट्रैटेजी के साथ बोर्ड परीक्षा की तैयारी की जाए तो कुछ ही महीनों की पढ़ाई में भी आप बहुत अच्छे मार्क्स स्कोर कर सकते हैं. हालांकि इस दौरान आपको कई बातों का खास ख्याल रखना होगा. साथ ही बोर्ड परीक्षा की तैयारी के दौरान होने वाली गलतियों से बचना होगा.

मॉक टेस्ट सॉल्व न करना

किसी भी परीक्षा की तैयारी करते समय इंटरनेट पर मौजूद उसके मॉक टेस्ट जरूर सॉल्व करने चाहिए. कक्षा 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा की तैयारी करते समय पिछले वर्षों के पेपर सॉल्व करने से आपको पेपर पैटर्न का बेहतर अंदाजा लग जाएगा.

टाइम मैनेजमेंट

परीक्षा के दौरान टाइम मैनेजमेंट करना बहुत जरूरी होता है. सवालों के हिसाब से अपना समय बांटें. छोटे या कम अंक वाले प्रश्नों पर ज्यादा समय देने के बजाय उस समय को बड़े उत्तरों के लिए बचा लें. शुरू में पेपर सॉल्व करने में इतना समय न लगाएं कि बाकी पेपर छूट जाए.

पेपर में गाने और शायरी लिखना

पेपर अटेंप्ट करते वक्त हर सवाल को ध्यान से पढ़ें. कुछ स्टूडेंट्स को लगता है कि प्रश्न से मिलते-जुलते जवाब लिखने से भी उन्हें नंबर मिल जाएंगे, जोकि गलत है. वहीं, कई टीचर्स का कहना है कि उन्हें पेपर में शायरी और गाने भी लिखे हुए मिले हैं.

लिखावट पर ध्यान न देना

बोर्ड परीक्षा देते वक्त कभी भी अपनी हैंडराइटिंग से कॉम्प्रोमाइज न करें. क्योंकि आपने जवाब तो अच्छी तरह से लिख लिया लेकिन खराब हैंडराइटिंग की वजह से एग्जामिनर समझ ही नहीं पाया तो आपकी पूरी मेहनत बेकार हो जाएगी.

एडमिशन ALERT

इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, मुंबई, महाराष्ट्र

- **कोर्स**: पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन केमिकल टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट प्रोग्राम
- **चयन प्रक्रिया**: लिखित परीक्षा, इंटरव्यू
- **आवेदन की अंतिम तिथि**: 15 दिसंबर, 2022
- **लिखित परीक्षा और इंटरव्यू की तारीख**: 23 दिसंबर, 2022
- **वेबसाइट**: www.ictmumbai.edu.in

एक नज़र

चिरंजीवी बीमा की ई-केवाईसी सात दिन में करने के निर्देश

जयपुर। मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत सभी लाभार्थियों का ई-केवाईसी किया जा रहा है। इसके संबंध में मंगलवार को जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने वीसी के माध्यम से सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर ने सभी उपखण्ड अधिकारियों को आगामी 7 दिवस में ई-केवाईसी पर कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आशा सहयोगिनियों और आंगनबाड़ी कार्याकर्ताओं के माध्यम से ई-केवाईसी करवाने और योजनाओं के तहत ज्यादा से ज्यादा लोगों को पंजीकृत करवाने के निर्देश दिए।

RTDC चेयरमैन की कांग्रेस अध्यक्ष खरगे से मुलाकात

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ ने मंगलवार शाम कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से उनके नई दिल्ली स्थित निवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने खरगे से राजस्थान की राजनीति के बारे में चर्चा की। चेयरमैन राठौड़ के साथ सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव में नवनिर्वाचित विधायक अनिल शर्मा भी साथ रहे।

चेयरमैन राठौड़ ने इस दौरान राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को सकारात्मक बताया। उन्होंने खरगे को बताया कि राहुल गांधी की यात्रा से देश एवं प्रदेश में सांप्रदायिक सौहार्द, प्रेम एवं भाईचारा बढ़ेगा और केंद्र सरकार पर बुनियादी मुद्दों एवं समस्याओं के समाधान के लिए दबाव बनेगा। चेयरमैन राठौड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे को बताया कि राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जन कल्याणकारी नीतियों के कारण 9 विधानसभा उपचुनावों में से सात में कांग्रेस भारी मतों से विजयी हुई है। साथ ही कहा कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे ने सरदारशहर विधानसभा उपचुनाव में 27 हजार से अधिक रिकॉर्ड मतों से विजयी होने पर अनिल शर्मा को बधाई दी एवं 2023 में फिर से राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनाने की शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि राजस्थान कांग्रेस में पिछले दिनों हुए घटनाक्रम में आरटीडीसी चेयरमैन को भी संगठन की ओर से नोटिस दिया गया था। ऐसे में खरगे से राठौड़ की इस मुलाकात को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जयपुर में सहायक कर्मचारी सुभाष मेहरा की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस की ओर जज के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद भी न्यायिक कर्मचारियों का आंदोलन जारी हैं। अन्य मांगों को लेकर न्यायिक कर्मचारियों का आज बुधवार को भी सामूहिक अवकाश जारी रहेगा। जयपुर में मंगलवार को प्रदेशभर से आए जिला संघ पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसके बाद निर्णय लिया गया और कर्मचारी संघ ने मुख्य न्यायाधीश को एक बार फिर से मांग पत्र बनाकर भेजा। संघर्ष समिति अध्यक्ष बद्री लाल चौधरी ने बताया कि अब मामले की जांच सीबीआई से करवाने, कर्मचारियों की सीएल, पीएल को समायोजित करने सहित अन्य मांगें जब तक नहीं मान ली जाएगी, तब कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

राहुल की मौजूदगी में मनाया जाएगा सरकार की चौथी वर्षगांठ का जश्न

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश में अशोक गहलोत सरकार की चौथी वर्षगांठ का जश्न राहुल गांधी की मौजूदगी में जयपुर से लेकर ग्राम पंचायतों तक मनाया जाएगा। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा शुक्रवार को 100 दिन पूरे कर रही है और इस मौके पर प्रदेश की राजधानी जयपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम 'भारत जोड़ो कंसर्ट' का आयोजन किया जाएगा।

इस मौके पर राहुल गांधी प्रेस कांफ्रेस भी करेंगे। सूत्रों की माने तो इसी दिन राहुल राजस्थान सरकार फ्री स्मार्ट फोन योजना के तहत मोबाइल बांटने की शुरुआत करेंगे।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने मंगलवार को बताया कि 16 दिसंबर यानी शुक्रवार को 'भारत जोड़ो यात्रा' के 100 दिन पूरे हो जाएंगे और यह एक मील का पत्थर होगा। उन्होंने कहा कि इस दिन राहुल गांधी दोपहर में दौसा में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करेंगे और इस दिन यात्रा में उनके साथ हिमाचल प्रदेश के नव निवार्चित मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू तथा वहां के कांग्रेस सभी विधायक भी शामिल होंगे, वहीं शाम को कांग्रेस पार्टी जयपुर में एक संगीत कार्यक्रम आयोजित करेगी जिसमें बॉलीवुड गायिका सुनिधि चौहान प्रस्तुति देंगी। इसमें राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व अन्य नेता भी मौजूद रहेंगे।

ज़्यादा से ज़्यादा जनता को शामिल करने के निर्देश

सरकार की चार साल की वर्षगांठ को लेकर मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सभी जिला कलेक्टर्स और विभागों के सचिवों को अलग-अलग आदेश जारी कर 4 साल के प्रोग्राम की तैयारियां करने को कहा है। 17 दिसंबर को जयपुर में जवाहर कला केंद्र में विकास प्रदर्शनी की शुरुआत होगी। सरकार 28 दिसंबर तक 28 विभागों की उपलब्धियां जनता तक पहुंचाएगी। इसके अलावा 11 हजार 283 ग्राम पंचायतों में लाभार्थियों से संवाद किया जाएगा। 22 से 28 दिसंबर तक ग्राम सभाएं आयोजित होंगी। इनमें जिला और ब्लॉक लेवल के अधिकारी ग्रामीणों को सरकारी फ्लैगशिप प्रोग्राम और स्कीम्स की जानकारी देंगे।

जनता को झूठे सब्जबाग दिखा सत्ता में आई कांग्रेस: शेखावत

■ 95 हजार किलोमीटर चल चुकी है जन आक्रोश यात्रा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार सब्जबाग दिखाकर और झूठ बोलकर सत्ता में आई। पिछले चार साल से राज्य में अराजकता का माहौल है और भ्रष्टाचार चरम पर है, जिसकी वजह से जनता भयभीत है। केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि अब 15 से 31 दिसंबर तक विधानसभा स्तर पर बड़ी जन आक्रोश सभाएं आयोजित की जाएंगी, जिनमें बूथ महासंपर्क अभियान भी चलेगा।
मंगलवार को भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस में केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि राज्य सरकार की इन्हीं तमाम खामियों और जनता के मन में व्याप्त आक्रोश के मद्देनजर पार्टी की प्रदेश कार्यकारिणी ने 200 विधानसभा क्षेत्रों में जन आक्रोश यात्रा निकालने का फैसला किया। 200 रथों ने 94 हजार किलोमीटर की यात्रा की और इस दौरान 50,367 से ज्यादा नुक्कड़ और बड़ी सभाएं हुई। 82 लाख 75 हजार से अधिक लोगों को हमें जन आक्रोश यात्रा से जोड़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

उन्होंने बताया कि जनता की शिकायतों को एकत्र करने की भी व्यवस्था की गई थी, जिसके तहत दो तरह की पद्धति अपनाई गई। एक, पेटिका रखी गई थी। इसमें लोगों ने लिखित शिकायतें डालीं। पेटिका में लाखों शिकायतें एकत्र हुईं हैं। दूसरा, वेबसाइट पर लगभग तीन लाख शिकायतें अब तक दर्ज हो चुकी हैं।

प्रदेश में महिलाओं से अत्याचार के 1 लाख 61 हजार मुकदमे दर्ज

शेखावत ने कहा कि जो राजस्थान महिलाओं के सम्मान के मामले में पूरे देश में नंबर वन पर था, आज वहां महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध हो रहे हैं। महिला अत्याचार के 1 लाख, 61 हजार मुकदमे दर्ज हुए हैं। 27 हजार बहन-बेटियों के साथ दुष्कर्म हुआ, महिला शिक्षकों को जिंदा जला दिया गया। जिस राजस्थान को दुनिया रानी पद्मिनी के जौहर, हाड़ी रानी के शीशदान, गौरा और पन्नाधाय के उत्सर्ग, मीरा और कर्मा के भक्तिभाव से जानती थी, आज प्रदेश सरकार ने उनके सम्मान पर कालिख पोतने का काम किया है। सरकार के मंत्री विधानसभा के पटल पर कहते हैं कि राजस्थान में बलात्कार इसलिए अधिक होते हैं, क्योंकि यह मर्दों का प्रदेश है। इससे अधिक शर्मनाक और क्या हो सकता है।

तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने राजस्थान सरकार पर अपने वोटबैंक को बचाए रखने के लिए तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा कि जिस तरह की घटना करौली में हुई। रामनवमी के जुलूस पर जिस तरह से पथराव हुआ। घटनाओं की जांच में जिस तरह से भेदभाव किया गया। एफआईआर, गिरफ्तारी, कार्रवाई, चालान पेश करने से लेकर मुआवजा देने तक तुष्टीकरण किया गया। केन्द्रीय मंत्री ने भीलवाड़ा, जोधपुर में घटी घटनाओं के अलावा उदयपुर में हुई कन्हैयालाल की नृशंस हत्या को लेकर भी राजस्थान सरकार को आड़े हाथों लिया।

4 जिलों में बच्चों की 32 जांचें होंगी नि:शुल्क

हिलव्यू समाचार
जयपुर/कोटा। प्रदेश के कोटा, बूंदी, सीकर और दौसा में पायलट प्रोजेक्ट के तहत 18 वर्ष तक के बच्चों की 32 प्रकार की जांचें निशुल्क होंगी। प्रदेश में 18 वर्ष के बच्चों और युवाओं की संख्या ढाई करोड़ से अधिक है। प्रोजेक्ट के तहत बच्चों का छोटी उम्र में परीक्षण कर उन्हें भविष्य में होने वाली किसी भी बीमारी या स्वास्थ्य खतरे से बचाया जा सकता है। इसके लिए तीन योजनाएं चल रही हैं, लेकिन उनके प्रभावी परिणाम नहीं आ रहे हैं। ऐसे में सभी योजनाओं को समेकित कर इसके लिए यह कार्ययोजना तैयार की है। योजना को लेकर स्पीकर बिरला ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण, अतिरिक्त सचिव मनोहर अगनानी, संयुक्त सचिव विशाल चौहान तथा डॉ. पी अशोक बाबू व लोकसभा के संयुक्त सचिव सिद्धार्थ महाजन के साथ बैठक की।

लगाए जाएंगे विशेष शिविर

योजना के तहत नवजात शिशुओं, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा राजकीय विद्यालयों में स्वास्थ्य परीक्षण के लिए शिविर लगाए जाएंगे। स्वास्थ्य परीक्षण के बाद इन बच्चों का डिजिटल हेल्थ कार्ड बनाया जाएगा, जिसमें उनके स्वास्थ्य परीक्षण संबंधी समस्त जानकारी अंकित की जाएगी।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना की 7वीं ट्रेन को दिखाई झंडी

1090 यात्री तिरुपति के लिए रवाना

हिलव्यू समाचार
जयपुर। वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के अन्तर्गत 7वीं ट्रेन मंगलवार को जयपुर से तिरुपति के लिए रवाना हुई। एक हजार से ज्यादा यात्री इस ट्रेन के जरिए निःशुल्क तिरुपति तीर्थस्थल का भ्रमण करेंगे।

मंगलवार को दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से 7वीं ट्रेन में 745 यात्री जयपुर से रवाना हुए, जबकि 75 सवाई माधोपुर से और 260 यात्री कोटा से सवार हुए। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ट्रेन में ट्रेन प्रभारी, अनुरक्षक और डॉक्टर की टीम हर समय उपलब्ध रहेगी।

देवस्थान मंत्री शकुंतला रावत ने बताया कि वरिष्ठ तीर्थजन यात्रा योजना-2022 के तहत प्रदेश के 20 हजार वरिष्ठ नागरिकों को देवस्थलों का भ्रमण करवाया जा रहा है। इनमें से 18 हजार यात्रियों को ट्रेन से और 2000 यात्रियों को हवाई जहाज से यात्रा करवाई जा रही है।

अब रात में स्वछंद विचरण कर सकेंगे वन्यजीव

सरिस्का में ढाई हजार करोड़ की लागत से बनेगा एलिवेटेड रोड

हिलव्यू समाचार
जयपुर। सरिस्का में वन्यजीवों के स्वछंद विचरण में किसी भी तरह का विघ्न ना हों, इसके लिए अब सरिस्का में 22 किलोमीटर लंबा एलिवेटेड रोड बनाया जाएगा। इसकी डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है। संभावना यह जताई जा रही है कि 6 महीने में रोड का काम शुरू हो जाएगा। इस रोड को नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा बनाया जाएगा। इस रोड के निर्माण पर 2500 करोड़ रुपए खर्च होंगे। यह रोड नटनी का बारा से लेकर थानागाजी तक बनाया जाएगा। सरिस्का के क्षेत्रीय निदेशक आरएन मीणा ने बताया कि इस रोड की डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है और शीघ्र ही इस पर काम शुरू होगा। इस रोड के बनने से सरिस्का के वन्य जीवों को स्वच्छंद विचरण करने में कोई परेशानी नहीं होगी। पहले रात में वन्यजीवों के विचरण में परेशानी होती थी, क्योंकि छोटे वन्यजीव कई बार वाहनों की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुके हैं। टाइगर और पैंथर भी वाहन दुर्घटना का शिकार हो चुके हैं।

कई जगह अंडरग्राउंड भी बनेगा रोड

सरिस्का के क्षेत्रीय निदेशक आरएन मीणा ने बताया कि एलिवेटेड रोड का निर्माण नेशनल हाईवे अथॉरिटी द्वारा किया जााएगा। इस एलिवेटेड रोड को तैयार करने में पूरी तरह विशेषज्ञ टीम काम करेगी। यह रोड जमीन से करीब 15 फुट ऊंचा हो सकता है। सरिस्का के कई हिस्सों में सड़क के ऊपर हाईटेंशन लाइन जा रही है। इसको लेकर तकनीकी विशेषज्ञ निर्णय करेंगे कि उन लाइनों को शिफ्ट करेंगे या वहां रोड को अंडरग्राउंड किया जाएगा।

राज्य सरकार के हस्तक्षेप के बाद सड़क दुरुस्त

सरिस्का के क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि पहले तो इस रोड को दुरुस्त भी नहीं किया गया। सड़कों पर कई जगह गड्ढे थे। 15 किलोमीटर का सफर 1 घंटे में तय होता था, लेकिन बाद में राज्य सरकार के हस्तक्षेप से सड़क दुरुस्त की गई। अभी इसी मार्ग से बड़े वाहन भी निकलते हैं, लेकिन एलिवेटेड रोड बनने से यातायात और सुगम हो जाएगा। क्योंकि सड़क से 15 किलोमीटर ऊपर वाहन चलेंगे और नीचे सिर्फ पर्यटकों के साथ-साथ हल्के वाहन ही चलेंगे।

सवाई माधोपुर के जीनापुर से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा

दलितों ने दिया हिन्दुस्तान को संविधान: राहुल गांधी

- एनजीओ के साथ किया संवाद
- गहलोत सरकार की योजनाओं को लेकर की चर्चा

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान को संविधान दलितों ने दिया, इसे कभी भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि हिंदुस्तान में सत्ता का जो ढांचा है, चाहे वह प्रशासन हो, न्यायपालिका हो या मीडिया हो, उनमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की भागीदारी उतनी नहीं है, जितनी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के रास्तों पर चलकर ही इस स्थिति को बदला जा सकता है। मंगलवार को भारत जोड़ो यात्रा सवाई माधोपुर के जीनापुर से दोबारा शुरू हुई।

सुबह राहुल गांधी ने मुस्लिम व दलित युवाओं के दो समूहों से बात की। यात्रा के शाम के चरण में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, उद्यमियों तथा आदिवासी युवाओं ने राहुल से बात की।

दोपहर में विराम के दौरान राहुल ने राजस्थान में दलित समुदाय के विकास एवं कल्याण के लिए काम कर रहे अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसायटी, सेंटर फॉर दलित राइट्स, राजस्थान वाल्मीकि मंच, उड़ान मानव सेवा समिति, आगाज फाउंडेशन, राइट्स रिसॉर्स सेंटर, अंबेडकर स्टडी सेंटर, जय नारायण व्यास यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधियों से बातचीत की। इन लोगों ने कांग्रेस सरकार द्वारा दलित उत्थान के किए जा रहे कार्यों की सराहना की। राहुल गांधी के समक्ष कुछ मांगे भी रखी गईं। राहुल ने उनकी बातें सुनी और साथ बैठे मुख्यमंत्री से राज्यस्तर की समस्याओं के समाधान का अनुरोध किया।

फीडबैक से अवगत कराएंगे सरकार को

पूर्व केंद्रीय मंत्री नमोनारायण मीणा ने कहा कि यात्रा को जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। युवाओं, किसानों और अन्य लोगों को राहुल गांधी से उम्मीद है कि वह उनके साथ न्याय करेंगे। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य शांति, प्रेम एवं भाईचारे का संदेश देना और आम लोगों से जुड़े मुद्दों को उठाना है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि यात्रा में मिलने वाले फीडबैक से सरकार को अवगत कराया जाएगा।

सवाई माधोपुर के अमरूद की प्रशंसा

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सवाई माधोपुर के अमरूद के स्वाद की भी प्रशंसा की और कहा कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि प्रदेश का यह जिला अमरूद की खेती में अग्रणी है। क्षेत्र में अमरूद प्रसंस्करण इकाइयों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

एक नज़र

भरतपुर के लोहागढ़ में लिए सात फेरे

गाजियाबाद के युवक को जर्मनी की युवती से हुआ प्यार

हिलव्यू समाचार

भरतपुर। भारतीय परंपरा और संस्कृति का कोई तोड़ नहीं है और यही वजह है कि अब विदेशी भी भारतीय परंपरा और संस्कृति को अपनाने लगे हैं। ऐसा ही नजारा दिखाई दिया भरतपुर में हाईवे स्थित होटल सूर्य विलास में जहां जर्मनी की जेनिफर को भारतीय परंपरा, संस्कृति और यहां के लोगों का व्यवहार इतना भाया कि उन्होंने न केवल भारतीय युवक को जीवनसाथी के रूप में चुना बल्कि हिन्दू रीतिरिवाज से शादी भी रचाई। गाजियाबाद के रहने वाले युवक श्रेष्ठ ने जर्मनी निवासी जेनिफर से भरतपुर के सूर्य विलास होटल में धूमधाम से शादी रचाई है। गाजियाबाद निवासी श्रेष्ठ ने बताया कि वो जर्मनी में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने गए थे। वहीं पर सोलर एनर्जी की एक कंपनी में जॉब भी मिल गई। इसी दौरान श्रेष्ठ की मुलाकात जर्मनी की जेनिफर से हुई और दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। श्रेष्ठ ने बताया कि हम करीब साढ़े तीन साल से साथ हैं। कुछ समय पहले जेनिफर से शादी के लिए पूछा तो वो तैयार हो गई। श्रेष्ठ और जेनिफर ने अपने अपने परिजनों को शादी के बारे में बताया तो सभी काफी खुश हुए। जेनिफर ने बताया कि उन्हें इंडियन कल्चर, यहां के लोग और उनकी विनम्रता बहुत पसंद आई। जेनिफर अब तक भारत के दिल्ली, देहरादून, मसूरी जैसे कई शहर और पर्यटनस्थल घूम चुकी हैं।

कोटा में तीन स्टूडेंट ने किया सुसाइड

हिलव्यू समाचार

जयपुर। कोटा में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे तीन छात्रों ने अलग-अलग घटनाओं में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने कहा कि दो मृतक बिहार के थे, जबकि एक किशोर मध्य प्रदेश का निवासी था। पुलिस के मुताबिक, मृतकों की पहचान बिहार के सुपौल जिले के रहने वाले नीट परीक्षार्थी अंकुश आनंद (18) और गया जिले के जेईई अभ्यर्थी उज्ज्वल (17) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि बिहार निवासी दोनों छात्र जवाहर नगर पुलिस थाना क्षेत्र के तलवंडी इलाके में एक ही मकान में पेइंग गेस्ट (पीजी) के रूप में रहते थे और दोनों के शव सोमवार सुबह अपने-अपने कमरे में पंखे से लटके मिले। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले से नीट की तैयारी कर रहे प्रणव वर्मा (17) ने कुन्हारी थाना क्षेत्र के छात्रावास में रविवार देर रात कथित तौर पर कुछ जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिससे उसी मौत हो गई।

एमबीबीएस छात्र ने लगाया फंदा

जयपुर। भरतपुर के मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में रहने वाले एमबीबीएस स्टूडेंट अलवर निवासी सुरेंद्र रावत ने सोमवार को सुसाइड कर लिया। सुरेंद्र के दोस्तों ने बताया कि अगले साल ही उसका एमबीबीएस कंप्लीट होने वाला था। सुरेंद्र ने 2018 में भरतपुर मेडिकल कॉलेज में एडमिशन लिया था। वार्डन पीयूष गोस्वामी ने बताया कि वह पंखे के कुंदे से शॉल का फंदा बनाकर लटका मिला। उसे खिड़की तोड़कर फंदे से उतारा। जब तक उसकी सांसें चल रही थी, लेकिन आरबीएम अस्पताल लेकर पहुंचे तब उसे मृत घोषित कर दिया।

जिला कलेक्टर टीना डाबी ने जारी किए आदेश

भारत-पाक सरहद के गांवों में रात को घूमने पर पाबंदी

जैसलमेर (हिलव्यू समाचार)। कलेक्टर और जिला मजिस्ट्रेट टीना डाबी ने भारत-पाक सीमा के पांच किमी एरिया में रात को घूमने पर दो महीनों के लिए पाबंदी लगा दी है। जिला कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के अनुसार तस्करी, घुसपैठियों और असामाजिक तत्वों के अवैध प्रवेश और अन्य अवांछनीय गतिविधियों को देखते हुए बैन लगाया गया है। जिला कलेक्टर डाबी ने बताया कि जिले में रहने वाले सीमावर्ती निवासियों के जन-जीवन और लोक शांति के बिगड़ने के अंदेशे को ध्यान में रखते हुए ये आदेश जारी किया गया है। यह आदेश 11 फरवरी, 2023 तक प्रभावी रहेगा। जिला कलेक्टर ने जिले में भारत-पाक सीमा के पास लगते हुए 5 किमी सीमा के कुछ इलाके में प्रतिबंध लागू किए हैं। इसके लिहाज से सीमा क्षेत्र में रहने वाले निवासियों और उस इलाके में अगली 11 फरवरी, 2023 तक शाम 6 बजे से सुबह 7 बजे तक अधिकारी की इजाजत के बिना एंट्री तथा घूमने पर प्रतिबंध लगा दिया है।

11 फरवरी तक लागू रहेगा आदेश

जारी किए गए आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति इस प्रतिबंधित क्षेत्र में दिए समय के अनुसार शाम 6 बजे से सुबह 7 बजे तक अधिकारी की अनुमति के बिना नहीं घूम सकेगा। इस आदेश के तहत अवैध रूप से घूमते हुए पाए गए व्यक्ति पर कोई भी अधिकारी कार्रवाई कर सकेगा तथा आदेश की पालना नहीं करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जैसलमेर और पोकरण तहसील के गांवों में बैन

कलेक्टर टीना डाबी की ओर से जारी आदेश में जैसलमेर व पोकरण तहसील के गांव किशनगढ़, तनोट, साधोवाला, घोटारू, लोंगेवाला, गणेशिया, लंगतला, जामराऊ, खुईयाला उर्फ खुडजनवाली, रतडाऊ, लीलोई, कारटा, खारिया, शेखर, कोठ, जाजीया, खारा मूंगर, सोम, रोहिडोवाला, लोहार, आसूदा, मिठड़ाऊ, धोरोई, बिछड़ा, किरडवाली, जियाऊ, केरला, बगनाऊ, बसना, बिरयारी, मीठी खुई, भुग, मुरार, धनाना, लूणार, पोछिणा, करड़ा, गोधूवाला, भूटोवाला, अकनवाली, दातावानी, झालरिया, नीचूवाली, बुईली (सरकारी), बाहला, भारेवाला, दादुड़ावाला, मोहरोवाला, मालासर, म्याजलार, रायचन्दवाला तथा कुरिया बेरी आदि इलाकों में ये बैन लागू रहेगा। इन इलाकों में शाम 6 बजे से सुबह सात बजे तक जाना पूरी तरह से बैन रहेगा।

केन्द्रीय सहकारी बैंकों में 551 पदों पर होगी भर्ती

हिलव्यू समाचार

जयपुर। प्रदेश के केन्द्रीय सहकारी बैंकों में कम्प्यूटर प्रोग्रामर, प्रबंधक एवं बैंकिंग सहायक के रिक्त 551 पदों पर भर्ती की शीघ्र ही विज्ञप्ति जारी की जाएगी। रजिस्ट्रार सहकारिता मेघराज सिंह रत्नू ने नई भर्ती की घोषणा करते हुए कहा कि राजस्थान सहकारी भर्ती बोर्ड को बैंकों में रिक्त पदों पर भर्ती के लिए पदों की सूचना भेजी जा चुकी है। सहकारी बैंकों में पर्याप्त कर्मचारी होने पर बैंकों में होने वाले कार्यों में गति आ सकेगी। सहकारिता रजिस्ट्रार ने शनिवार को जयपुर जिले की ग्राम सेवा सहकारी समिति, धानक्या में सदस्य किसानों से रूबरू होते हुए बताया कि इस वर्ष प्रदेश में 5 लाख नए किसानों को फसली ऋण वितरण का लक्ष्य रखा गया है। इसमें से जयपुर जिले में 35 हजार नए किसानों को फसली ऋण वितरण किया जाएगा और नवम्बर, 2022 तक 12 हजार नए किसानों को फसली ऋण दिया जा चुका है। उन्होंने समिति में ऋण वितरण की ऑनलाइन प्रक्रिया, कस्टम हायरिंग सेन्टर के बारे में जानकारी ली तथा समिति ने सदस्य किसान की बॉयोमैट्रिक पद्धति से ऋण से संबंधित प्रक्रिया को पूरा किया।

फाइनल अपडेट विश्लेषण...

जीत के जश्न से ज्यादा हार पर मंथन ज़रूरी

दिल्ली एमसीडी और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की हार से उसे कड़े सबक सीखने की जरूरत है। भाजपा की यह हार असल में कुछ नेताओं के अहंकार में डूबने और कार्यकर्ताओं के काम नहीं करने का नतीजा है। वहीं कमजोर नेतृत्व भी प्रमुख वजह है। गुजरातियों ने फोकटिया राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है। वहीं कांग्रेस का होना, न होना बराबर सा हो गया है।

अमित बैजनाथ गर्ग, वरिष्ठ पत्रकार

दिल्ली एमसीडी चुनाव के नतीजों के बाद गुजरात और हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे भी आ गए। नतीजे एग्जिट पोल के अनुसार ही रहे। दिल्ली एमसीडी में 15 साल से सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी को हराकर आम आदमी पार्टी ने कब्जा कर लिया। वहीं गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अनुमान के मुताबिक रिकॉर्ड तोड़ जीत हासिल की। इधर, हिमाचल में मतदाताओं ने सरकार बदलने का रिवाज कायम रखा और भाजपा को कुर्सी से नीचे उतारकर कांग्रेस को बैठा दिया। वहीं उत्तर प्रदेश में हुए उपचुनाव में सपा मैनपुरी लोकसभा सीट बचाने में कामयाब रही तो खतौली विधानसभा सीट पर रालोद ने कब्जा जमाया। रामपुर विधानसभा सीट पर पहली बार जीतकर भाजपा ने अपनी थोड़ी सी लाज बचा ली। वहीं राजस्थान की सरदारशहर विधानसभा सीट पर सत्ताधारी कांग्रेस ने जीत हासिल की और सीएम गहलोत अपनी साख बचाने में कुछ हद तक कामयाब रहे।

सबसे पहले बात करते हैं गुजरात विधानसभा चुनाव के नतीजों की। यहां पर पीएम नरेंद्र मोदी का जादू पूरी तरह चला और भाजपा ने एकतरफा जीत हासिल की। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और ओवैसी कहीं भी टक्कर में दिखाई नहीं दिए। भाजपा ने 182 में से 156 सीट जीतकर कीर्तिमान बनाया। गुजरात में पहली बार किसी पार्टी ने 150 से ज्यादा सीट हासिल की। यह जीत भाजपा की जीत से ज्यादा मोदी की जीत है। असल में गुजरात के लोगों में मोदी का जलवा कायम है। वहीं कांग्रेस विलुप्त होने की कगार पर आ गई है। कांग्रेस को केवल 17 सीटें मिली हैं, जो यह बताने के लिए काफी है कि कांग्रेस के पास न तो कोई नेतृत्व था और न ही कोई योजना। प्रभारी रघु शर्मा और ऑब्जर्वर अशोक गहलोत के तमाम वादों और दावों के बीच कांग्रेस को मुंह की खानी पड़ी है। वहीं आम आदमी पार्टी 92 सीटों पर जीत का दावा कर रही थी, लेकिन वह केवल 5 सीट ही जीत पाई है। उसके मुख्यमंत्री पद के दावेदार इसुदान गढ़वी और प्रदेश अध्यक्ष गोपाल इटालिया तक को करारी हार का सामना करना पड़ा है। अरविंद केजरीवाल ने चुनाव से पहले एक आईबी की रिपोर्ट को आधार बनाकर

आप की जीत का दावा किया था, जिसकी हवा भी गुजरात के मतदाताओं ने निकाल दी। असल में गुजरातियों ने फोकटिया राजनीति को पूरी तरह से नकार दिया है।

इधर, हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव के नतीजे भी एग्जिट पोल के करीब ही रहे हैं। यहां कांग्रेस ने 68 में से 40 सीटें जीत ली हैं। वहीं सत्ताधारी भाजपा को महज 25 सीटें मिली हैं। आप का खाता भी नहीं खुल सका है। देवभूमि हिमाचल में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज इस बार भी कायम रहा है। उन्होंने भाजपा के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर को जय राम जी कहते हुए कुर्सी से नीचे उतार दिया है। हिमाचल प्रदेश के ऑब्जर्वर सचिन पायलट थे और प्रचार की कमान कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा ने संभाली थी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा अपने गृह राज्य में भाजपा की सरकार नहीं बचा पाए। यही हाल केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर का भी रहा। परिणामों से स्पष्ट है कि मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की जनता पर कोई पकड़ नहीं थी। उनके नेतृत्व में हिमाचल में जितने भी चुनाव हुए, सभी में भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा।

वहीं दिल्ली एमसीडी के चुनाव के नतीजों में आम आदमी पार्टी ने 134 सीटों पर जीत हासिल की। वहीं भाजपा को मात्र 104 सीटें ही मिल सकीं। इस तरह आप ने भाजपा से एमसीडी छीन ली, जो 15 साल से उसके कब्जे में थी। कांग्रेस यहां भी कहीं नजर नहीं आई। वह चुनाव लड़ने की खानापूर्ति कर रही थी। एमसीडी चुनाव में आप गंदगी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भाजपा को घेरने में सफल रही। असल में दिल्ली में भाजपा के पास न तो कोई संगठन है और ना ही कोई दमदार नेता। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता किसी भी तरह से असरदार नजर नहीं आते। सांसद मनोज तिवारी, मीनाक्षी लेखी, प्रवेश वर्मा, रमेश बिधूड़ी, हर्षवर्धन आदि सब पीएम मोदी के नाम पर जीते हैं। इनमें से किसी भी नेता का कोई जनाधार नहीं है। अगर होता तो दिल्ली एमसीडी में भाजपा की हार नहीं होती। खास बात यह भी है कि जेपी नड्डा ने भी दिल्ली एमसीडी में जमकर चुनाव प्रचार किया था, जिसके बाद भी भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा है। दिल्ली में भाजपा के संगठन मंत्री का संगठन गढ़ने का कौशल भी काम नहीं आया।

जहां तक उपचुनाव की बात है तो उत्तर प्रदेश में मैनपुरी लोकसभा और खतौली विधानसभा पर भाजपा जीत हासिल नहीं कर पाई। हालांकि रामपुर विधानसभा पर भाजपा पहली बार जीतने में कामयाब रही। पिछली बार जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती थी तो वह केवल मोदी और योगी की जीत थी। अधिकतर नेता इन्हीं दो नामों के दम पर जीतकर आए थे। उस दौरान वहां के संगठन महामंत्री इसे संगठन की जीत बता रहे थे, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं था। यही संगठन महामंत्री आजकल दिल्ली में हैं, लेकिन वहां इनसे कुछ नहीं हो पा रहा है। यह इस बात को बताता है कि भाजपा के कुछ नेताओं में फ्री का क्रेडिट लेने की बीमारी किस हद तक घर कर गई है। वहीं राजस्थान की सरदारशहर विधानसभा सीट को बचाने में कांग्रेस कामयाब रही है। यहां गहलोत की साख बच गई है, जबकि गुजरात में उनकी जादूगरी का असर कहीं पर भी दिखाई नहीं दिया। उत्तर प्रदेश में तो कांग्रेस का होना, न होना बराबर सा हो गया है। बिहार उपचुनाव में भाजपा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस और ओडिशा में बीजद की जीत हुई है।

चुनावों के ये नतीजे सबक सिखाने वाले हैं। खासकर भाजपा को। कांग्रेस को तो वैसे भी कोई फर्क नहीं पड़ना है, क्योंकि उसने जीतने लायक न तो कोई काम किया है और ना ही कोई योजना उसके पास है। दिल्ली एमसीडी और हिमाचल प्रदेश में भाजपा की हार से उसे कड़े सबक सीखने की जरूरत है। भाजपा की यह हार असल में कुछ नेताओं के अहंकार में डूबने और कार्यकर्ताओं के काम नहीं करने का नतीजा है। वहीं कमजोर नेतृत्व भी हार की प्रमुख वजह है। हिमाचल में जयराम ठाकुर भाजपा को नेतृत्व नहीं दे सके हैं। उनकी जनता पर कोई पकड़ नहीं है। यही हाल भाजपा का दिल्ली में भी है। दिल्ली में भाजपा के पास न तो कोई नेतृत्व है और ना ही कोई फायरब्रांड नेता है। हालांकि आप से भाजपा में आए कपिल मिश्रा थोड़ी बहुत उम्मीद जगाते हैं, लेकिन उनकी क्षमता का अभी तक इस्तेमाल नहीं किया गया है। कांग्रेस में गहलोत राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का नेतृत्व कर सकते हैं, लेकिन उनसे राजस्थान की मुख्यमंत्री की कुर्सी नहीं छूट रही है। खैर! जनता ने जनादेश दे दिया है। अब नेताओं की बारी है। उन्हें सीखना है या ऐसे ही टाइम पास करते रहना है। मर्जी उनकी है। मतदाता अपना काम करते रहेंगे।

काम की बात

शून्यकाल में सांसद बेनीवाल ने उठाया मामला

सेना में संविदा भर्ती को लें वापस

हिलव्यू समाचार
जयपुर। केंद्र सरकार की ओर से सेना में लागू की गई नई भर्ती योजना अग्निपथ का मुद्दा फिर से लोकसभा में गूंजा। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो व नागौर से लोकसभा सांसद हनुमान बेनीवाल ने सोमवार को लोकसभा के शून्यकाल में सेना में अग्निपथ योजना को वापस लेने की मांग उठाई। बेनीवाल ने सदन में प्रधानमंत्री मोदी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि सेना जैसे संस्थान में अग्निपथ योजना के माध्यम से संविदा भर्ती का निर्णय किसी भी दृष्टि से सही नहीं है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में युवाओं ने इस भर्ती प्रक्रिया को लेकर विरोध जताया था। सरकार को अब समझ जाना चाहिए कि युवा केंद्र के इस निर्णय के खिलाफ आंदोलित हैं। बेनीवाल ने कहा कि अग्निपथ से ली जाने वाली संविदा भर्ती के चार वर्षों बाद युवाओं का क्या भविष्य होगा, इस पर बहुत बड़ा सवालिया निशान है।

सांसद बेनीवाल ने कहा कि सरकार अग्निवीरों को रिटायरमेंट के बाद सार्वजनिक उपक्रमों में नौकरी देने की बात करती है, लेकिन पूर्व सैनिकों के लिए ग्रुप सी और ग्रुप डी में क्रमशः 10 और 20 प्रतिशत आरक्षित होने के बावजूद हकीकत में 1.29 प्रतिशत और 1.66 प्रतिशत नौकरी ही दी जा सकी।

गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से फिर धमकी

ज़िंदा रहना है तो देने होंगे 5 करोड़ रुपए

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से जयपुर के एक व्यवसायी से फिर से फिरौती मांगने का सामने आया है। मामला जयपुर कमिश्नरेट के हरमाड़ा थाना इलाके का है, जहां पर व्यापारी को व्हाट्स एप कॉल कर गैंगस्टर के नाम से जान से मारने की धमकी दी गई है। मामले को लेकर पीड़ित कारोबारी ने थाने में मामला दर्ज करवाया है। इसमें बताया कि 10 दिसंबर की शाम को वह खाटूश्याम जी से घर लौट रहा था। तभी उसके फोन पर व्हाट्स एप कॉल आया। फोन करने वाले ने अपना नाम रोहित गोदारा बताया। उसने कहा कि अगर तुझे जिंदा रहना है तो 5 करोड़ रुपए दें। साथ ही जान से मारने की धमकी भी दी। इस दौरान दोनों के बीच कहासुनी हुई तो फोन करने वाले बदमाश ने धमकाया कि जैसे जयपुर में हिम्मत सिंह राजपुरा के चार और सीकर में राजू ठेहट के 25 गोली मारी थी, उसी तरह तुझे भी 50 गोली मारूंगा और तू इस बार नई साल नहीं देख पाएगा। हालांकि, ऐसा कोई पहला मामला नहीं है कि जयपुर में किसी गैंगस्टर्स ने व्यापारी को फोन कर धमकाया है। हाल ही गत महीनों में जयपुर के शिप्रापथ, बजाजनगर थाने में ऐसे मामले सामने आए हैं।

पुलिस ने दी सुरक्षा

जिसे धमकी मिली है, पुलिस उसको लेकर भी आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। ऐसे में पीड़ित किसी गैंग या फिर किसी सट्टे के कारोबार से तो नहीं जुड़ा हुआ है इसकी जानकारी पुलिस जुटा रही है। वहीं, जिस नंबर से फोन आया है वह नंबर किसका है। साथ ही फोन करने वाले बदमाश की भी जानकारी जुटा रही है। व्यवसायी का अपने कामकाज से जयपुर के बाहर भी आना जाना रहता है। ऐसे में पुलिस ने उसकी जान के खतरे को देखते हुए उसे सुरक्षा दी है। राजू ठेहट हत्याकांड की जिम्मेदारी लेने वाले गैंगस्टर रोहित गोदारा के नाम से कारोबारी से पांच करोड़ की फिरौती मांगी गई है।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पत्रकार वार्ता में बोले...

ERCP को शामिल किया नदी जोड़ो प्रोजेक्ट

हिलव्यू समाचार
जयपुर। केंद्र सरकार ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट -ईआरसीपी को नदी जोड़ो प्रोजेक्ट में शामिल कर लिया है। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने मंगलवार को यहां बताया कि प्रोजेक्ट को केंद्र सरकार ने रिवर इंटरलिंकिंग में शामिल कर लिया है। प्रोजेक्ट के तहत चंबल-पार्वती-कालीसिंध को आपस में जोड़ा जाएगा। शेखावत ने कहा कि राज्य सरकार ने 50 फीसदी डिपेंडेबिलिटी पर ईआरसीपी प्रोजेक्ट भेजा है। राज्य सरकार को इसमें बदलाव करके इसे 75 फीसदी करना होगा तो ERCP का 90 फीसदी केंद्र सरकार देगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने वर्ष 2014 में सत्ता में आने के साथ ही कई जनकल्याणकारी योजनाओं का शुभारंभ किया। जब राजस्थान में वसुंधरा राजे नेतृत्व वाली सरकार चल रही थी, तब राज्य केंद्र की तमाम जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने में पहले, दूसरे और तीसरे पायदान पर था, लेकिन जब वर्ष 2018 सरकार बदली तो केंद्र की जनकल्यामणकारी योजनाएं राज्य में धीरे-धीरे पटरी से उतर गईं। आलम यह है कि राज्य सरकार केंद्र की जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के मामले में निचले पायदान पर है। राज्य में प्रधानमंत्री आवास योजना की रफ्तार कमजोर हुई है। 12 में तीन जिले दौसा, झुंझनूं, राजसमंद ऐसे हैं, जिनमें शून्य काम हुआ है। केंद्र ने मांग के अनुरूप खाद्य उपलब्ध कराया, लेकिन राज्य में कालाबाजारी चरम पर है।

जल जीवन मिशन में पिछड़ा राजस्थान

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने कहा कि जल जीवन मिशन को लागू करने में जहां पूरे देश में तेजी से प्रगति हो रही है, वहीं राजस्थान सरकार इस महत्वपूर्ण योजना को लागू करने में बहुत पीछे है। राजस्थान सरकार केंद्र द्वारा दी गई धनराशि को खर्च नहीं कर पाई है। वह अपने हिस्से का भी पैसा निवेश नहीं कर पाई है। राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 125 जिले ऐसे हैं, जो 100 प्रतिशत नल से जल उपलब्ध होने की दिशा में आगे हैं, लेकिन राजस्थान का एक भी जिला और ब्लॉक इस श्रेणी में शामिल होने की स्थिति में नहीं पहुंच पाया है। देश में जहां जल जीवन मिशन योजना की ग्रोथ 40 प्रतिशत से अधिक है, वहीं राजस्थान में केवल 20 प्रतिशत है, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि राजस्थान सरकार इस महत्वपूर्ण योजना को लागू करने में कितनी सुस्त है।

CCTNS प्रौद्योगिकी स्टेक प्रशिक्षण

साइबर अपराध रोकने के लिए पुलिसकर्मियों की दक्षता बेहद जरूरी : महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान पुलिस में नवगठित तकनीकी कोर ग्रुप के प्रतिभागियों की दक्षता अभिवृद्धि के लिए केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान जयपुर और राजस्थान पुलिस की ओर से 12 दिवसीय सीसीटीएनएस प्रौद्योगिकी स्टेक प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

महानिदेशक पुलिस उमेश मिश्रा ने बताया कि सोमवार से शुरू हुआ यह शिविर 23 दिसंबर तक संस्थान के सभागार चलेगा। डीजीपी मिश्रा ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए वर्तमान में नवीनतम तकनीकी की जानकारी की आवश्यकता और साइबर अपराध को रोकने के लिए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता अभिवृद्धि की आवश्यकता पर जोर दिया। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस दूरसंचार एवं तकनीकी सेवाएं सुनील दत्त ने बताया कि राजस्थान पुलिस में स्थापित तकनीकी कोर ग्रुप के विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की कड़ी में यह दूसरा संस्करण है। तकनीकी कोर ग्रुप सीसीटीएनएस परियोजना के संचालन के साथ-साथ एप्लीकेशन डवलपमेंट, साइबर अपराध की रोकथाम, साइबर सुरक्षा एवं अन्य आईटी परियोजनाओं के साथ इंटीग्रेशन का कार्य प्रभावी रूप से करेगा।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस प्रशिक्षण सचिन मित्तल, महानिरीक्षक पुलिस स्टेट क्राईम रेकॉर्ड ब्यूरो शरत कविराज एवं केंद्रीय गुप्तचर प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक डॉ. अमनदीप सिंह कपूर ने राजस्थान पुलिस में तकनीकी कोर ग्रुप की आवश्यकता के विषय में विचार प्रस्तुत किए।

गुजरात में सीएम का शपथ ग्रहण समारोह

वसुंधरा और पूनियां सहित कई नेताओं ने की शिरकत

हिलव्यू समाचार
जयपुर। प्रदेश की पूर्व सीएम व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां सहित राजस्थान के कई भाजपा नेताओं ने गुजरात के सीएम भूपेंद्र पटेल के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। सोमवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने पहुंचीं राजे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी मुलाकात की। मंच पर भाजपा व एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ उन्हें भी बैठने को जगह मिली। शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां, उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, अलका गुर्जर, सुशील कटारा सहित कई नेता शामिल हुए। डॉ. पूनियां ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से आठवां सवाल पूछा है। उन्होंने पूछा है कि राजस्थान की जनता को सस्ती और पूरी बिजली कब देंगे। किसानों के लंबित ढाई लाख कनेक्शन कब पूरा करेंगे। आज लगभग ढाई लाख किसान कृषि कनेक्शनों का इंतजार कर रहे हैं।

नगर निगम ग्रेटर को दिया 23.23 करोड़ का चेक

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान आवासन मंडल द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर को विक्रय की गई सम्पत्तियों से प्राप्त होने वाली राशि का 15 प्रतिशत हिस्सा दिए जाने का प्रावधान है। ग्रेटर नगर निगम महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर एवं आयुक्त महेन्द्र सोनी के निरन्तर प्रयासों से आवासन मंडल ने 15 प्रतिशत हिस्सा राशि का 23.23 करोड़ रुपए का चैक सौंपा। महापौर डॉ. गुर्जर तथा आयुक्त सोनी ने सोमवार को आवासन मण्डल कार्यालय पहुंचकर चैक प्राप्त किया। आयुक्त सोनी ने बताया कि मण्डल द्वारा 2010 से 2021-22 तक की देय राशि में से पूर्व में दी गई राशि का समायोजन करते हुए तथा निगम क्षेत्र में आवासन मण्डल द्वारा कराए कार्यों की राशि घटाते हुए शेष राशि 23.23 करोड़ की राशि का चैक आवासन मण्डल द्वारा नगर निगम ग्रेटर को दिया गया है।

झूठी एफआईआर की बढ़ती प्रवृत्ति पर CM ने जताई चिंता

पुलिस पर 'झूठ' का लोड, इस साल 50 हज़ार फेक FIR दर्ज

हिलव्यू समाचार
जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पुलिस मुख्यालय में प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक में झूठी एफआईआर दर्ज करवाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई है। इससे प्रदेश में मुकदमों की संख्या में बढ़ोतरी होने से पूरे राजस्थान की छवि देशभर में धूमिल भी हो रही है। राजस्थान में इस साल 75 हजार मामले ऐसे दर्ज हुए जिन्हें पुलिस ने अपनी जांच में सही नहीं मानते हुए एफआर लगा दी है। राजस्थान में एफआईआर के अनिवार्य पंजीकरण की नीति लागू होने के बाद प्रदेश के सभी थानों में दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या करीब सवा दो लाख के आंकड़े को छूने को है, लेकिन इनमें से आधे मामले झूठे निकले हैं। पुलिस के अधिकारियों की माने तो साल 2022 के अंत तक दर्ज होने मामलों में एफआर लगने वाले मुकदमों की संख्या 1 लाख को पार कर जाएगी।

राज्य महिला आयोग ने भी बनाई सूची: हाल में प्रदेश की राज्य महिला आयोग ने भी झूठे दर्ज होने वाले मामलों पर चिंता जताई थी। इसके बाद 60 मामलों में परिवादियों पर कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षकों को झूठे मुकदमों की सूची बनाकर भेजी थी।

अनिवार्य रजिस्ट्रेशन से बढ़े आंकड़े

राज्य की पुलिस ने इस वर्ष में दर्ज हुए 2 लाख 10 हजार प्रकरणों में से करीब 75 हजार से अधिक में जांच के बाद एफआर लगा दी है। हालांकि, अभी दिसम्बर के माह में इस साल दर्ज हुए सभी प्रकरणों की जांच में पुलिस जुटी हुई है और अब तक के पेंडिंग मामलों की जांच पुलिसकर्मी करने में जुटे हुए हैं। साल के अंत तक प्रदेश में दर्ज होने वाले मुकदमों की संख्या करीब 2.25 लाख से अधिक के आंकड़े को छू जाएगी और एफआर लगने वाले मामलों की संख्या 1 लाख से अधिक हो जाएगी। यानी कि आधे से मामले गलत निकलेंगे। साल 2022 में अब तक एफआर लगने वाले प्रकरणों में 50 हजार प्रकरण झूठे माने गए, जबकि 27 हजार में सबूत नहीं मिलने पर एफआर लगाई गई।

अनिवार्य एफआईआर की नीति का दुरुपयोग

मुख्यमंत्री ने झूठी एफआईआर दर्ज करवाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए इसे एफआईआर की अनिवार्य पंजीकरण की नीति का दुरुपयोग माना है। प्रदेश में 2019 में महिला अपराधों की 45 28 प्रतिशत, 2020 में 44.77 प्रतिशत और 2021 में 45.26 प्रतिशत एफआईआर जांच में झूठी निकली हैं। वर्ष 2020 में 4497, 2021 में 5452 और इस साल 2022 में 6145 मामले महिलाओं के ब्लात्कार के दर्ज हुए हैं।

जियारत कर मांगी अमन-चैन की दुआ

मलेशिया से आए दल ने चूमी ख़्वाज़ा की चौखट

हिलव्यू समाचार
अजमेर। मलेशिया का एक प्रतिनिधिमण्डल अजमेर प्रवास पर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने सोमवार को अजमेर स्थित ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह में जियारत की और दुआं मांगी।

उन्हें खादिम सलमान चिश्ती ने जियारत करवाई और तबर्रूख भेंट किया। साथ ही दिल्ली में आयोजित होने वाली वर्ल्ड पीस कॉन्फ्रेंस और सर्वधर्म संवाद की भी जानकारी दी।

ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह के खादिम सैयद सलमान चिश्ती ने बताया कि वर्ल्ड शहादा काउंसिल के हेड शेख इस्माइल कासिम के नेतृत्व में 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह जियारत की। ख्वाजा के दर पर अमन-चैन की दुआ की गई।

दिल्ली में 22 से वर्ल्ड पीस कॉन्फ्रेंस

चिश्ती ने बताया कि आगामी 22 और 23 दिसंबर को दिल्ली में वर्ल्ड शहादा काउंसिल, ऑल इंडिया उलेमा एंड मशायख बोर्ड व चिश्ती फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में वर्ल्ड पीस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विश्वभर को शांति का संदेश दिया जाएगा साथ ही इसके बाद सर्वधर्म संवाद आयोजित होगा, जिसमें विश्वभर के धर्मगुरु शिरकत करेंगे। खासतौर पर अमेरिका, इंडोनिशिया, मलेशिया, भारत सहित अन्य देशों के धर्मगुरू इसमें भाग लेंगे। इसके जरिए विश्वभर में गंगा जमुनी तहजीब का पैगाम दिया जाएगा।

देश के लिए आने वाला साल अहम

सलमान चिश्ती ने बताया कि आने वाला साल भारत देश के लिए बेहद अहम रहने वाला है। देश को जी-20 में शामिल कर लिया गया है। ऐसे में अजमेर और पुष्कर से विश्वभर को प्यार और भाईचारे का पैगाम दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि नफरत किसी से नहीं और मोहब्बत हर एक से यही पैगाम विश्वभर में पहुंचाना उनका उद्देश्य रहा है।

लेडी सिंघम दीपिका

रोहित की कॉप यूनिवर्स में हुईं शामिल

रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में अब एक और एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की एंट्री हो गई है. दीपिका रोहित की अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' में लेडी सिंघम बन विलेन से टक्कर लेती नजर आएंगी. ये पहली बार होगा कि रोहित की कॉप यूनिवर्स में किसी महिला पुलिस की एंट्री होगी. बता दें कि 'सिंघम अगेन', सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म होगी, इसमें पहले की 2 फिल्मों की तरह ही अजय देवगन लीड रोल में नजर आएंगे. इस बार फिल्म में अजय के साथ-साथ दीपिका भी लेडी सिंघम के तौर पर नजर आएंगी. पहली बार अजय के साथ दीपिका पादुकोण स्क्रीन शेयर करती हुई दिखाई देने वाली हैं. हाल ही में रिपोर्ट आई थी कि सिंघम अगेन की शूटिंग अजय देवगन की फिल्म 'भोला' की शूटिंग खत्म होने के बाद शुरू की जाएगी. दीपिका रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स में शामिल हो रही हैं, इसका एलान खुद रोहित ने कुछ समय पहले ही किया है.

काफी एक्साइटेड हैं मस्तानी

मुंबई में 'सर्कस' फिल्म के गाने 'करंट लगा रे' की लॉन्चिंग के दौरान रोहित ने इस खबर की पुष्टि की है. इस दौरान उन्होंने कहा, 'हमेशा मुझसे ये सवाल पूछा जाता है कि मैं लेडी पुलिस अफसर पर फिल्म कब करूंगा, तो मैं ये कहना चाहूंगा कि जल्द ही कॉप यूनिवर्स की सिंघम रिलीज होने वाली है और इस फिल्म में दीपिका पादुकोण लेडी सिंघम का किरदार निभाएंगी.' **दीपिका** पादुकोण भी इस प्रोजेक्ट को लेकर काफी एक्साइटेड हैं. उनका कहना है कि रोहित की फिल्म 'चेन्नई एक्सप्रेस' ने उन्हें एक आइकॉनिक किरदार दिया है. उनके साथ वे हमेशा से काम करना चाहती हैं. चेन्नई एक्सप्रेस के बाद रोहित और दीपिका दूसरी बार फिल्म पर काम करने वाले हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था. वहीं रोहित से जब ये पूछा गया कि क्या उनकी 'सर्कस' फिल्म 'गोलमाल' का प्रीक्वेल होगी? इसके जवाब में रोहित शेट्टी ने कहा, 'ये कहानी वहां से शुरू होगी, जिस अनाथालय से गोलमाल के 5 लोग थे. सर्कस का हीरो भी उसी अनाथालय से है. अब ये कहानी आगे किस तरह से बढ़ेगी, इसकी जानकारी फिल्म में मिलेगी.'

'बड़े मियां छोटे मिया' में पृथ्वीराज की धमाकेदार एंट्री

मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज सुकुमारन, प्रभास-स्टारर 'सलार' में अपनी भूमिका की घोषणा करने के बाद एक और बड़े बजट पोजेक्ट में नजर आने वाले हैं. पृथ्वीराज अब अक्षय कुमार की फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' का हिस्सा होंगे.

अक्षय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में अब उनके अलावा नजर आएंगे मलयालम सुपरस्टार पृथ्वीराज. इस बात का खुलासा खुद फिल्म के लीड एक्टर अक्षय ने किया है. उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात का खुलासा करते हुए बताया कि अब उनकी फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' से एक्टर पृथ्वीराज भी जुड़ गए हैं. उनकी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' में पृथ्वीराज का रोल भी धमाकेदार होगा. पहले तो यह खबरें सामने आ रही थीं कि फिल्म में पृथ्वीराज की एंट्री टाइगर श्रॉफ को भारी पड़ रही है, लेकिन जब से टाइगर ने फिल्म का पोस्टर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है, तब से लोगों को यकीन हो चला है कि अब इस फिल्म में एक नहीं, बल्कि 3 लीड हीरो होंगे. फिल्म में अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के बाद अब पृथ्वीराज की एंट्री ने इस फिल्म को फैंस के लिए और भी सरप्राइजिंग बना दिया है. अक्षय ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक्टर पृथ्वीराज का एक पोस्टर शेयर किया है और लिखा, '#बड़े मियां छोटे मियां परिवार अभी और बड़ा हुआ और कैसे!' फिल्म में पृथ्वीराज, कबीर नाम का किरदार निभाएंगे. फिल्म का निर्देशन 'टाइगर जिंदा है' फेम अली अब्बास जफर कर रहे हैं. निर्देशन के अलावा, जफर ने फिल्म लिखी भी है और इसे वाशु, दीपशिखा देशमुख, जैकी भगनानी और हिमांशु किशन मेहरा के साथ प्रोड्यूस करेंगे. फिल्म 'बड़े मियां छोटे मियां' क्रिसमस 2023 को रिलीज होगी. इस फिल्म को 5 भाषाओं - हिंदी, तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा. पृथ्वीराज ने काजोल और इब्राहिम अली खान के साथ एक धर्मा प्रोडक्शन की फिल्म भी साइन की है. इसके अलावा वे आगे भी कई हिंदी फिल्में कर सकते हैं.

अपनी भाषा में फिल्म करना हमेशा कंफर्टेबल

बॉलीवुड के हैंडसम हंक रणबीर कपूर अपने काम के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं. एक्टर हाल ही में एक बेटी के पिता बने हैं. एक्टर आखिरी बार फिल्म ब्रम्हास्त्र में नजर आए थे. इसी बीच रणबीर ने सऊदी अरब के जेद्दा में ऑर्गनाइज 'रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल' में शिरकत की. इस इवेंट में एक्टर ने खुलकर अपनी पसंद और नापसंद को लेकर बात की.

फेस्टिवल में रणबीर ने पहली बार अपनी एक ख्वाहिश जाहिर की, जिसके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे. शमशेरा एक्टर से जब उनके फ्यूचर प्लान के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं हमेशा से एक फिल्म का डायरेक्टर बनकर उसका निर्माण करना चाहता था, लेकिन हकीकत में कहानी लिखने का साहस मुझमें नहीं है. मैंने हमेशा एक कहानी के स्वाभाविक रूप से मुझ तक आने का इंतजार किया है. इसी बीच रणबीर के हॉलीवुड डेब्यू को लेकर भी काफी चर्चा हो रही है. जब उनसे इस संदर्भ में सवाल किया गया तो रणबीर का कहना था कि वो अपनी भाषा में फिल्म करने को लेकर काफी कम्फर्ट फील करते हैं, क्योंकि ये उन्हें बहुत अच्छी तरह से आता है. मौजूदा समय में उन्हें अपनी इंडस्ट्री से काफी अच्छे ऑफर मिल रहे हैं. ऐसे में वो इसे छोड़ नहीं सकते और इससे वह काफी संतुष्ट हैं. इसलिए फिलहाल वह आगे के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहे हैं, और न ही इसके बारे में कभी जिक्र करते हैं.

मेट्रो में घूमेंगे सारा-आदित्य

सारा अली खान और आदित्य रॉय कपूर जल्द ही अनुराग बसु की अपकमिंग फिल्म 'मेट्रो' के जरिए साथ में नजर आने वाले हैं. निर्देशक अनुराग बसु ने हाल ही में अपने अगले पोजेक्ट की घोषणा की है. ये भूषण कुमार और अनुराग बसु का अपकमिंग प्रोजेक्ट है. उन्होंने फिल्म 'मेट्रो' के लिए हाथ मिला लिया है. इस फिल्म में बॉलीवुड एक्टर आदित्य और एक्ट्रेस सारा अली खान लीड रोल में नजर आने वाले हैं. ये फिल्म मौजूदा वक्त पर आधारित सामाजिक रिश्तों की खट्टी-मीठी दास्तां को पर्दे पर दिखाएगी. इस बार दर्शकों को सारा और आदित्य की जोड़ी के साथ कुछ नया देखने को मिलने वाला है.

अनुराग बसु का नया प्रोजेक्ट

अपनी अपकमिंग फिल्म के बारे में बात करते हुए फिल्ममेकर भूषण कुमार ने कहा, 'अनुराग दादा के साथ काम करना हमेशा से एक ट्रीट रहा है. मौजूदा वक्त में समसामयिक विषय पर फिल्म के साथ चलने वाली जिंदगी की कहानी को बुनना अनुराग से बेहतर कोई नहीं कर सकता है. वे इस मनोरंजक कहानी के साथ जादू बिखेरेंगे. हम एक बार फिर से 'मेट्रो' के लिए उनके साथ काम करने पर काफी एक्साइटेड हैं.' बता दें कि अनुराग बसु प्रोडक्शंस और टी-सीरीज के बैनर तले बन रही इस फिल्म में सारा, आदित्य के अलावा अनुपम खेर, नीना गुप्ता, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अली फजल और फातिमा सना शेख जैसे कलाकार मुख्य किरदार में नजर आएंगे. अपनी फिल्म मेट्रो के बारे में बात करते हुए निर्देशक अनुराग बसु ने कहा, 'मेट्रो फिल्म के सभी अद्भुत कलाकारों के साथ काम करने के लिए उत्साहित हूं. वहीं इस फिल्म में मेरे प्यारे दोस्त प्रीतम म्यूजिक दे रहे हैं, जिन्होंने अपने म्यूजिक से फिल्म की कहानी और किरदारों में जान फूंक दी है.'

'काली बिल्ली कहते थे'

प्रियंका चोपड़ा अब सिर्फ बॉलीवुड का ही नहीं, हॉलीवुड का भी जाना-पहचाना नाम बन चुकी हैं. प्रियंका ने एक ग्लोबल स्टार के तौर पर अपनी पहचान स्थापित की है. लाखों दिलों पर राज करने वाली प्रियंका को भी कभी बॉडी शेमिंग और अपने रंग को लेकर भेदभाव का सामना करना पड़ा था. उन्होंने बॉलीवुड इंडस्ट्री में अपने साथ हुए बुरे व्यवहार का खुलासा किया है.

प्रियंका ने बॉलीवुड के कड़वे सच से उठाया पर्दा

प्रियंका ने हाल ही में '100 वूमन' लिस्ट में अपना नाम दर्ज कराया है और वे साल 2022 की सबसे प्रभावशाली महिलाओं में से एक बन गई हैं. उन्होंने एक बातचीत में बॉलीवुड में अपने साथ हुए रंगभेद का खुलासा किया और बताया कि कैसे उन्हें मेल एक्टर्स की तुलना में कम भुगतान किया जाता था, सेट पर घंटों इंतजार करना होता था और अपने रंग को लेकर भी कड़वी बातें सुननी पड़ती थीं. प्रियंका कहती हैं- 'मुझे काली बिल्ली और सांवली कहा जाता था. मेरा मतलब है, सांवली क्या होता है? वो भी उस देश में, जहां सभी ब्राउन हैं. मुझे लगने लगा था कि मैं सुंदर नहीं हूं. मैं सोचती थी कि मुझे दूसरों से ज्यादा कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी, जबकि मुझे विश्वास था कि मैं अपने से हल्के रंग वाले एक्टर्स से ज्यादा टैलेंटेड हूं. लेकिन मुझे लगता था कि सब ठीक है, क्योंकि यही सामान्य माना जाता है.' प्रियंका ने 2002 में अपने एक्टिंग करिअर की शुरुआत की थी. उन्होंने तमिल फिल्म से डेब्यू किया था, जिसके बाद वह कई बॉलीवुड फिल्मों में नजर आईं. उन्होंने अपने लिए अक्सर चैलेंजिंग रोल चुने और अपनी शानदार अदाकारी से देश में ही नहीं, विदेश में भी नाम कमाया. लेकिन अपने बॉलीवुड में एक्सपीरिएंस किए कड़वे अनुभवों को अभिनेत्री आज भी भूल नहीं पाई हैं.

रिया को फिर हुआ प्यार

बंटी का सोनाक्षी संग रह चुका अफेयर

सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया चक्रवर्ती का नाम खूब सुर्खियों में था. रिया पर सुशांत को ड्रग्स देने का आरोप लगा था. इसके बाद रिया और उनके भाई को जेल की हवा भी खानी पड़ी थी. जून 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया को खूब यूजर्स ने ट्रोल किया था. अब खबर आ रही है कि वे सोहेल खान की एक्स वाइफ सीमा सजदेह के भाई बंटी सजदेह को डेट कर रही हैं. बंटी स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट की फील्ड में सबसे बड़ी मैनेजमेंट फर्मों में से एक के मालिक हैं. सुशांत सिंह राजपूत की मौत के कुछ समय पहले रिया ने दिवंगत अभिनेता को डेट किया था. वह सुशांत के साथ सोशल मीडिया पर खूब तस्वीरें साझा करती रहती थीं. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुशांत की मौत के 2 साल बाद रिया को फिर से प्यार हो गया है. वो दोनों साथ हैं और अपने रिलेशनशिप को प्राइवेट रखना चाहते हैं. पिछले कुछ वर्षों में रिया ने जो कुछ भी झेला है, बंटी उसका कंधा और सपोर्ट सिस्टम रहे हैं. जब चीजें खराब हो रही थीं तो वह उसके लिए वहां थे. रिया पास्ट में बंटी की क्लाइंट्स में से थीं और जब सुशांत की मौत के संबंध में रिया से पूछताछ की गई तो बंटी को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया था. बता दें कि रिया से पहले बंटी सजदेह का नाम सोनाक्षी सिन्हा के साथ भी जुड़ चुका है. इसके अलावा वह सुष्मिता सेन के साथ भी रिलेशनशिप में रह चुके हैं. सुशांत के निधन के बाद, अभिनेता के परिवार ने रिया पर उन्हें मानसिक रूप से परेशान करने, पैसे के लिए उनका शोषण करने और उनकी मौत में भूमिका निभाने का आरोप लगाया था. जिसके बाद अभिनेत्री से प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय जांच ब्यूरो ने पूछताछ की थी. इसके अलावा नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने भी उनसे पूछताछ की थी और 2020 में एक महीने के लिए रिया जेल भी जा चुकी हैं.

TV मैजिक

वक्त निकालकर बेटे पर प्यार बरसाती श्वेता

शो 'मैं हूं अपराजिता' में अपराजिता की भूमिका निभाने वाली श्वेता तिवारी ने कहा कि कहानी में अपराजिता नाम की मां का सफर है जो अपनी बेटियों को जिंदगी के उतार-चढ़ाव के लिए तैयार कर रही हैं. श्वेता असल जिंदगी में भी 2 बच्चों की मां हैं. उनका एक 6 साल का बेटा रेयांश और 22 साल की बेटी पलक है. उनका बेटा सेट पर उनसे मिलने आता है ताकि वो ज्यादा वक्त साथ बिता सकें. श्वेता ने कहा कि जब रेयांश मेरी जिंदगी में आया, तब मैंने 3 साल का ब्रेक लेने का फैसला किया. उस समय अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच समय बांटना इतना मुश्किल नहीं था, लेकिन फिर भी काम से ब्रेक लेना मेरी पर्सनल चॉइस थी. अब मैं रेयांश के लिए भी वक्त निकालती हूं. वो स्कूल से लौटकर शाम को सीधे मेरे सेट पर आता है, जहां हम साथ वक्त बिताते हैं और फिर साथ में घर वापस जाते हैं.

बबीताजी संग अफेयर पर टप्पू ने तोड़ी चुप्पी

शैलेष लोढ़ा के बाद 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' शो को राज अनादकट ने भी अलविदा कह दिया है. इस शो में राज, जेठालाल (दिलीप जोशी) के बेटे टप्पू के रोल में नजर आते थे. वह इस शो से साल 2017 से जुड़े हुए थे और इस दौरान दर्शकों से उन्हें खूब प्यार मिला, लेकिन उन्होंने साफ कर दिया है कि अब वह शो का हिस्सा नहीं हैं. शो से अलग होने के बाद राज ने मुनमुन दत्ता यानी बबीताजी के साथ अफेयर को लेकर उड़ी अफवाहों पर खुलकर बात की. उन्होंने कहा, गॉसिप एक्टर की जिंदगी का हिस्सा है. मैं अपने आपको काम में बिजी रखता हूं और इन चीजों को नजरअंदाज करता हूं. मैंने डिस्ट्रैक्शन से बचने की कोशिश की और मैं अफवाहों से परेशान नहीं होता हूं. एक इंटरव्यू के दौरान राज ने शो छोड़ने की वजह बताई. उन्होंने कहा, कुछ गलत नहीं हुआ. ये मेरा फैसला है. एक एक्टर के तौर पर मैं इस फील्ड में और ग्रोथ करना चाहता हूं, अलग तरह की चीजें ट्राई करना चाहता हूं.

गुमनाम हैं 80 के दशक की ये 8 हीरोइनें

बदल गया इतना लुक, अब पहचान पाना भी मुश्किल

80 के दशक की एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि ने हाल ही में अपनी फिल्म 'हीरो' के को-स्टार जैकी श्रॉफ को याद कर उनके साथ फोटो शेयर की. वहीं, उन्होंने एक इंटरव्यू में बॉलीवुड में वापसी की इच्छा भी जाहिर की. उन्होंने कहा कि कुछ अधूरा रह गया है और इसी वजह से वह दोबारा एक्टिंग की दुनिया में कदम रखना चाहती हैं. मीनाक्षी पिछले 26 वर्षों से गुमनाम जिंदगी गुजार रही हैं. उन्होंने बॉलीवुड के साथ देश भी छोड़ दिया था. वैसे, मीनाक्षी के साथ-साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली ऐसी कुछ और भी एक्ट्रेसेस हैं, जो कई वर्षों से स्क्रीन से गायब हैं और गुमनाम जिंदगी बसर कर रही हैं.

किमी काटकर

किमी ने 1985 में आई फिल्म 'टार्जन' ने बॉलीवुड में कदम रखा था. उन्होंने फिल्म में बोल्डनेस दिखाकर इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना ली थी. उन्होंने 'मेरा लहू','जैसी करनी वैसी भरनी', 'दरिया दिल', 'जलजला', 'हम', 'खून का कर्ज' जैसी फिल्में में काम किया. वे आखिरी बार 1992 में फिल्म जुल्म की हुकूमत में नजर आई थीं. किमी वर्षों से गुमनाम हैं.

रति अग्निहोत्री

रति ने फिल्म 1981 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'एक दूजे के लिए' से डेब्यू किया था. उन्होंने मजदूर, मैं आवारा हूं, कुली, मुझे इंसाफ चाहिए, मशाल, आपके साथ, क्रांति, देव जैसी कई फिल्मों में काम किया. वे आखिरी बार 2015 में आई फिल्म सिंह इज ब्लिंग में नजर आई थीं. रति ने 1985 में शादी की थी. हालांकि, 2019 में उनका तलाक हो गया. वे बेटे तनुज वीरानी के साथ रहती हैं.

अमृता सिंह

1983 में आई फिल्म बेताब से इंडस्ट्री में कदम रखने वाली अमृता सिंह ने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया. उन्होंने साहेब, मर्द, चमेली की शादी, नाम, कब्जा, वारिस, हथियार, इलाका, बदला जैसी फिल्मों में काम किया. अमृता कभी-कभार फिल्मों में नजर आ जाती हैं, लेकिन वे लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करती हैं. उन्होंने 1991 में सैफ अली खान से शादी की और 2004 में दोनों का तलाक हो गया. अब अकेले ही अपने दोनों बच्चों को पाल रही हैं.

फराह नाज

फिल्म 'फासले' से 1985 में बॉलीवुड में कदम रखने वाली फराह नाज को अब पहचान पाना भी मुश्किल होता है. उन्होंने फिल्म नसीब अपना अपना, मरते दम तक, ईमानदार, यतीम, घर घर की कहानी, जीने दो, वीरू दादा, हलचल जैसी फिल्मों में काम किया. अब वे गुमनाम हैं. उन्होंने 1996 में विंदू दारा सिंह से शादी की थी, लेकिन कपल का 2002 में तलाक हो गया. फराह का एक बेटा है.

अनिता राज

अनिता ने 1981 में फिल्म 'प्रेम गीत' से डेब्यू किया था. उन्होंने अपने करिअर में कई हिट फिल्मों में काम किया. हालांकि, वह कई वर्षों से गुमनाम हैं और अपनी पर्सनल लाइफ में बिजी हैं. उन्होंने दूल्हा बिकता है, जीत हमारी, नौकर बीवी का, जमीन आसमान, लैला, जीने नहीं दूंगा, साजिश, शिव शक्ति, खतरनाक जैसी फिल्मों में काम किया. उन्होंने 1986 में सुनील हिंगोरानी से शादी की और कपल का एक बेटा है.

मंदाकिनी

1985 में आई फिल्म 'राम तेरी गंगा मैली' से रातोंरात इंडस्ट्री में छाने वाली मंदाकिनी अब गुमनामी में खोई हैं. वर्षों बाद वे इस साल लाइमलाइट में तब आईं जब वे अपने बेटे के म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं. उन्होंने लोहा, जाल, हवालात, कमांडो, तेजाब, आखिरी बाजी, जंगबाज जैसी फिल्मों में काम किया. 1990 में उन्होंने डॉ. कग्युर टी. रिन्पोचे ठाकुर से शादी की जो 'मर्फी बॉय' के नाम से भी फेमस हैं, और इंडस्ट्री को हमेशा के लिए छोड़ दिया. उनके 2 बच्चे हैं.

मीनाक्षी शेषाद्रि

मीनाक्षी ने 1983 में आई फिल्म पेंटर बाबू से डेब्यू किया था लेकिन उन्हें पहचान 'हीरो' से मिली. उन्होंने हीरो, दामिनी, घर परिवार, विजय, गंगा जमुना सरस्वती, बीस साल बाद, जुर्म, शहंशाह, घायल, घातक, घर हो तो ऐसा, डकैत, मेरा जवाब जैसी कई फिल्मों में काम किया था. उन्होंने 1995 में इन्वेस्टमेंट बैंकर हरीश मैसूर से शादी कर ली और उनके दो बच्चे हैं.

पूनम ढिल्लन

पूनम ने 80 के दशक की कई ब्लॉकबस्टर फिल्मों में काम किया. उन्होंने नाम, सोने पे सुहागा, कसम, गलियों का बादशाह, गिरफ्तार, दोस्ती दुश्मनी, जुदाई, पत्थर के सनम, अमीर-गरीब, बटवारा जैसी फिल्मों में काम किया. वे कभी कभार फिल्मों में नजर आ जाती हैं. पूनम ने 1988 में अशोक ठकारिया से शादी की लेकिन पति से धोखा मिलने के बाद उन्होंने तलाक ले लिया. अब वे अपने 2 बच्चों के साथ रहती हैं.

Career जोन

करिअर में बदलाव की प्रक्रिया को समझें

पिछले कुछ वर्षों में युवा अपने प्रशिक्षण से इतर बहुत अलग तरह के क्षेत्रों में अपना करिअर बना रहे हैं, फिर चाहे इसके पीछे उनका रुझान हो या फिर पैसे का आकर्षण. आजकल प्रोफेशनल्स अपने वेंचर शुरू कर रहे हैं, इंजीनियर और डॉक्टर अपनी अच्छी-खासी नौकरियां छोड़कर किताबें प्रकाशित करा रहे हैं, विज्ञान के छात्र एक्टिंग में हाथ आजमा रहे हैं. एक प्रोफेशनल वेबसाइट की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि करिअर में बदलाव की सबसे बड़ी वजह है करिअर के आकर्षक विकल्प. कुछ नेगेटिव चीजों के कारण भी युवा करिअर में बदलाव के बारे में सोचने लगे हैं, जैसे- गलत करिअर का चुनाव या फिर उस करिअर के लिए जरूरी स्किल्स विकसित न कर पाने की स्थिति. जब बात करिअर में बदलाव की आती है तो उसमें भविष्य को लेकर एक किस्म की अस्थिरता भी होती है. जिस क्षेत्र में आपका तजुर्बा नहीं है, उसमें आपको कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है. अपनी रुचि के आधार पर करिअर में बदलाव की प्रक्रिया को बारीकी से समझने की जरूरत होती है, इसके लिए कुछ महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान दें.

रुचि पहचानें

आपकी रुचि कौन से करिअर में है, इसे लेकर स्पष्टता रखें. इस बात का आकलन करें कि किसी अलग करिअर में आपकी रुचि क्षणिक है या आप गंभीरता से उसके विषय में सोच रहे हैं, या फिर ये कि करिअर में बदलाव का समय आपके लिए उपयुक्त है या नहीं. अगर थोड़ी सी भी शंका है तो अपने फैसले पर नए सिरे से विचार करें. जल्दबाजी में फैसला कतई न लें.

फैसले को लेकर निश्चिंत हों

'लेकिन आपने करिअर क्यों बदला?' हर जगह आपसे अधिकतर यही सवाल पूछा जाएगा, फिर चाहे वह जॉब के लिए इंटरव्यू हो या फिर आपके परिजन! चाहे आपका निर्णय कितना ही सोचा-समझा क्यों न हो, आपसे बार-बार सवाल किए जाएंगे. इसीलिए आपका जवाब ऐसा होना चाहिए, जिससे इंटरव्यू लेने वाले, आपके दोस्त, परिजन और स्वयं आप भी संतुष्ट हो सकें. ऐसे में अगर आप अपने फैसले को लेकर निश्चिंत नहीं होंगे तो अस्थिरता और खुद पर अविश्वास से आप स्वयं भी अपने फैसले को लेकर ऊहापोह में फंस सकते हैं.

डिग्री या डिप्लोमा

जिस करिअर में आप स्विच कर रहे हैं, उसमें आपके लिए डिग्री हासिल करना अच्छा रहेगा. अगर आप अपना बिजनेस शुरू कर रहे हैं तो इसके लिए औपचारिक ट्रेनिंग या उससे जुड़ा कोर्स करना मूलभूत जरूरत है. अगर आप इंटीरियर डिजाइनिंग में जाना चाहते हैं तो इंटीरियर डिजाइनिंग में डिप्लोमा कर सकते हैं. अगर डिग्री कोर्स के लिए समय नहीं है तो डिप्लोमा कोर्स कर सकते हैं, क्योंकि इसमें आपको पूरा समय देने की जरूरत नहीं होती और आपको उस करिअर से जुड़ी तकनीकी जानकारी भी मिल जाती है.

इंटर्नशिप

संभव हो तो नए करिअर से जुड़ी इंटर्नशिप करें या किसी जानकार के साथ काम करें. इस तरह आप नए फील्ड से जुड़ी मुश्किलों को बेहतर तरीके से समझ पाएंगे.

वित्तीय स्थिरता

अगर कुछ मनपसंद काम करना चाहते हैं जैसे कि लेखन या फोटोग्राफी या ऐसी कोई भी जॉब, जिसमें सैलरी बहुत ज्यादा नहीं है तो उसके लिए वित्तीय स्थिरता एक आवश्यक पहलू है, अन्यथा यह आपकी जेब पर भी भारी पड़ सकता है. बेहतर होगा कि आप कम से कम 3 महीने के लिए अपना बैकअप प्लान तैयार करें, जिसमें आपकी मूलभूत जरूरतें और रोजाना के खर्च शामिल हों.

परिजनों को बताएं

करिअर बदलने से जुड़े अहम फैसले के बारे में अपने परिजनों और करीबियों को जरूर बताएं. परिवारवालों के साथ खड़े होने से आपको मानसिक बल मिलेगा. शुरुआत में आपके परिवार की तरफ से पूछे गए ढेर सारे सवालों के जवाब देने होंगे, जिनके लिए खुद को तैयार कर लें. परिवार से अपने नए वेंचर या करिअर के बारे में चर्चा करें.

Gadgets जोन

डिजिटल गवर्नमेंट डायरेक्टरी

ट्रूकॉलर ने डिजिटल गवर्नमेंट डायरेक्टरी लांच किया है. इस डिजिटल डायरेक्टरी में सभी सरकारी विभागों और अधिकारियों के वेरिफाइड कॉन्टैक्ट नंबर होंगे. यूजर्स को मंत्रियों और अफसरों के फोन नंबर एप में एड करने की सुविधा भी मिलेगी. यूजर्स वेरिफाइड नंबर की पहचान भी कर सकेंगे. ट्रूकॉलर द्वारा जारी नई सुविधा में एप की वेरिफाइड डिजिटल गवर्मेंट डायरेक्टरी में देश के 23 से ज्यादा प्रदेशों, केंद्र शासित राज्यों और 20 केंद्रीय मंत्रालयों के नंबर शामिल हैं. कंपनी का कहना है कि इस डायरेक्टरी अब अलग-अलग सरकारी डिपार्टमेंट और राज्यों के प्रमुख सरकारी नंबर भी शामिल किए जाएंगे. कंपनी जिला और नगर-निगम लेवल पर भी कॉन्टैक्ट नंबर को ऐड करने की योजना बना रही है. ट्रूकॉलर के वेरिफाइड कॉन्टैक्ट डिजिटल डायरेक्टरी की मदद से यूजर्स को सरकारी अधिकारी और ठग के नंबर को पहचानने में मदद मिलेगी. कंपनी ने कहा कि जब कोई सरकारी अधिकारी, किसी यूजर को कॉल करेगा तो यह नंबर ब्लू टिक के साथ एक ग्रीन बैकग्राउंड में दिखेगा, जिससे यूजर्स को यह समझने में आसानी होगी कि नंबर वेरिफाई है. वहीं स्पैम कॉल होने पर ट्रूकॉलर में लाल रंग का बैकग्राउंड दिखाई देगा, ताकि यूजर्स अलर्ट रहें.

एक नज़र

भगोड़े नित्यानंद की प्रतिनिधि को ब्रिटिश संसद से न्योता

रेप और किडनैपिंग के आरोप के बाद भारत छोड़कर भाग गया था बाबा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के उच्च सदन 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' में भारत के भगौड़े धर्मगुरु नित्यानंद की प्रतिनिधि को बुलाने पर विवाद हो गया। नित्यानंद पर भारत में अपनी अनुयायी का रेप करने और बच्चों को किडनैप करने के आरोप हैं। जिसके बाद वह देश छोड़कर भाग गया था। उसने अपना अलग द्वीप बसाने का दावा भी किया था। ब्रिटेन में नित्यानंद की प्रतिनिधि 'आत्मदया' हाउस ऑफ लॉर्ड्स में हुई दिवाली पार्टी में शामिल हुई थी। उसे कंजर्वेटिव पार्टी के दो नेताओं ने पार्टी में आने का न्यौता दिया था। पार्टी में आए लोगों को जो ब्रोशर बांटे गए थे उसमें नित्यानंद की संस्था का फुल पेज विज्ञापन भी छपा हुआ था। इसके बाद पार्टी में शामिल हुए कई लोगों ने नाराजगी दिखाई थी।

चमत्कार करने का दावा करता है नित्यानंदः भारत में नित्यानंद के बड़ी संख्या में भक्त हैं। यहां वह दर्जन भर से ज्यादा मंदिर और आश्रम चलाता है। वह लोगों के सामने चमत्कार करने का दावा करता है। वह कहता है- मैं दीवारों के आर-पार देख सकता हूं, अंधे बच्चों की रोशनी वापस ला सकता हूं, गायों से बात कर सकता हूं और सूरज के उगने में देरी कर सकता हूं।

कंजर्वेटिव पार्टी के नेताओं ने दिया बुलावाः नित्यानंद की प्रतिनिधि को कंजर्वेटिव पार्टी के एमपी बॉब ब्लैकमैन और उनके साथी रामी रेंजर ने पार्टी में बुलाया था। इससे पहले ब्लैकमैन ने 2017 में हिंदू राष्ट्रवादी तपन घोष को संसद के एक कार्यक्रम में बुलाया था। तब तपन घोष ने म्यांमार में हुए मुस्लिमों के नरसंहार का बचाव कर विवाद खड़ा कर दिया था।

वहीं बिजनेसमैन रामी रेंजर ने कहा है कि उन्हें नित्यानंद और उसकी संस्था के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। वे कहते हैं- मैं इस इंसान या कैलासा के बारे में नहीं जानता था। अगर मुझे पता होता तो मैं उस कार्यक्रम में शामिल ही नहीं होता।

आयोजकों ने फैसले को बताया सहीः दिवाली पार्टी का आयोजन हिंदू फोरम ऑफ ब्रिटेन की सहायता से किया गया था। फोरम ने नित्यानंद के प्रतिनिधि को बुलाने को सही बताया है। फोरम ने कहा कि हम किसी के साथ भेदभाव नहीं करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में 2022 में मारे गए 56 विदेशी आतंकी

आतंकवादी रैंकों में शामिल 86 स्थानीय युवाओं का भी सफाया

एजेंसी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में इस साल यानी 2022 में सुरक्षा बलों ने 56 विदेशी आतंकियों को मार गिराया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, DGP दिलबाग सिंह ने सोमवार को इस बात की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादी रैंकों में शामिल होने वाले 102 स्थानीय युवाओं में से 86 का भी सफाया कर दिया।

आतंकवादी संगठन, पाकिस्तानी खुफिया ISI और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाली एजेंसियों से डरने की कोई जरूरत नहीं है। इस तरह के फरमान जारी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। इस साल सुरक्षा बलों ने सबसे ज्यादा आतंकियों को मार गिराया है।

आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों पर सख्त कार्रवाईः सिंह ने कहा कि जो लोग आतंकवाद का रास्ता चुनते हैं, उनका जीवन बहुत छोटा होता है। युवाओं आतंकवाद नहीं बल्कि शांति और समृद्धि का रास्ता अपनाना चाहिए। आतंकवाद अब आखिरी चरण में है। आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। इनसे जुड़े ब्लॉग और वेबसाइट हमारी निगरानी में हैं। उनके खिलाफ FIR दर्ज की गई है।

अरुणाचल में भारतीय सेना ने चीनी सैनिकों की हड्डियां तोड़ीं

PLA के 600 जवान गलवान जैसा हमला करने आए, सेना ने लाठी-डंडों से खदेड़ा

एजेंसी

तवांग। अरुणाचल प्रदेश में लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल (LAC) पर भारत और चीन के सैनिकों के बीच खूनी झड़प हुई है। इसमें भारत के 6 जवान घायल हुए हैं, जबकि चीन के सैनिकों को हमसे ज्यादा नुकसान पहुंचा है। उनके कई सैनिकों की हड्डियां टूटी हैं। घायल भारतीय जवानों को गुवाहाटी के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

9 दिसंबर को 600 चीनी सैनिक तवांग के यंगस्टे में 17 हजार फीट की ऊंचाई पर भारतीय पोस्ट को हटाने के लिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। वे कंटीले लाठी डंडे और इलेक्ट्रिक बैटन से लैस थे। भारतीय सेना भी इस बार पूरी तरह तैयार बैठी थी। हमारी सेना ने भी कंटीले लाठी-डंडों से उनको जवाब दिया। इसमें दर्जनों चीनी सैनिकों की हड्डियां टूटी हैं।

भारत के जवाबी हमले के बाद फ्लैग मीटिंग हुई और मसला शांत हुआ। विवाद वाली जगह से फिलहाल दोनों देशों की सेनाएं हट गई हैं। इससे पहले 1975 में तवांग में विवाद हुआ था, तब भारत के 4 सैनिक शहीद हुए थे। इस क्षेत्र में दोनों सेनाएं कुछ हिस्सों पर अपना-अपना दावा ठोकती आई हैं। 2006 से यह विवाद जारी है।

इससे पहले 15 जून 2020 को लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी।

अब चीन को मुंहतोड़ जवाब मिलाः दोनों देशों के बीच मिलिट्री लेवल पर एक समझौता है। इसके तहत दोनों देशों के सैनिक एक तय दायरे में फायरिंग आर्म्स यानी रायफल या ऐसे ही किसी हथियार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। अमूमन दोनों देशों के सैनिक एक-दूसरे को हाथों से ही पीछे धकेलते हैं। गलवान झड़प में चीनी सैनिकों ने कांटेदार डंडों का इस्तेमाल किया था। इसके बाद भारतीय सैनिकों ने भी इसी तरह के इलेक्ट्रिक बैटन और कांटेदार डंडों का इस्तेमाल शुरू कर दिया। लिहाजा, इस बार चीन को मुंहतोड़ जवाब मिला है।

भाजपा सांसद बोले- बॉर्डर से एक इंच नहीं हटेंगेः अरुणाचल के तवांग में भारत-चीन के आमने-सामने होने पर, अरुणाचल ईस्ट से भाजपा सांसद तपीर गाओ ने कहा कि बॉर्डर से हमारे सैनिक एक इंच भी नहीं हटेंगे। अगर चीनी सैनिक बॉर्डर के अंदर घुसने की कोशिश करते हैं तो हम उनको सबक सिखाएंगे। हम बॉर्डर पर मार नहीं खाएंगे, बल्कि मुंहतोड़ जवाब देंगे।

पिछले साल भी की थी हरकतः पिछले साल इसी क्षेत्र में 200 चीनी सैनिकों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। तब भी भारतीय सैनिकों ने इसे नाकाम कर दिया था। तब पेट्रोलिंग के दौरान सीमा विवाद को लेकर दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने हो गए थे और कुछ घंटों तक यह सिलसिला चला था। हालांकि इसमें भारतीय जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ और प्रोटोकॉल के मुताबिक बातचीत से विवाद सुलझा लिया गया।

इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहा है भारतः केंद्र सरकार चीन के मंसूबों को स्थायी तौर पर काउंटर करने के लिए पूर्वोत्तर में 40 हजार करोड़ रुपए की लागत से फ्रंटियर हाईवे बनाने जा रही है। करीब 2 हजार किलोमीटर लंबा यह हाईवे अरुणाचल प्रदेश की लाइफ लाइन और चीन के सामने भारत की स्थायी ग्राउंड पोजिशन लाइन भी साबित करेगा।

सामरिक महत्व की बात करें तो यह भारत-तिब्बत के बीच खींची गई सीमा रेखा मैकमोहन लाइन से होकर गुजरेगा। अंग्रेजों के विदेश सचिव हेनरी मैकमोहन ने इसे सीमा के तौर पर पेश किया था और भारत इसे ही असली सीमा मानता है, जबकि चीन खारिज करता रहा है।

इस हाइवे का निर्माण सीमा सड़क संगठन (BRO) और नेशनल हाईवे अथॉरिटी मिलकर करेंगे। सेना लॉजिस्टिक सपोर्ट देगी। फ्रंटियर हाईवे तवांग के बाद ईस्ट कामेंग, वेस्ट सियांग, देसाली, दोंग और हवाई के बाद म्यांमार तक जाएगा।

चीन ने बदले थे 15 जगहों के नामः पिछले साल, चीन ने अरुणाचल प्रदेश की सीमा से लगे क्षेत्र में 15 स्थानों के नाम चीनी और तिब्बती रख दिए थे। चीन की सिविल अफेयर्स मिनिस्ट्री ने कहा था- यह हमारी प्रभुसत्ता और इतिहास के आधार पर उठाया गया कदम है। यह चीन का अधिकार है।

दरअसल, चीन दक्षिणी तिब्बत को अपना क्षेत्र बताता है। उसका आरोप है कि भारत ने उसके तिब्बती इलाके पर कब्जा करके उसे अरुणाचल प्रदेश बना दिया। इसके पहले 2017 में चीन ने 6 जगहों के नाम बदले थे। चीन के इस कदम का भारत ने भी करारा जवाब दिया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा- अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है। नाम बदलने से सच्चाई नहीं बदलती। चीन ने 2017 में भी ऐसा ही कदम उठाया था। अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग था और हमेशा रहेगा।

ढाई साल पहले गलवान घाटी में हुई थी झड़पः भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी पर ढाई साल पहले भी हिंसक झड़प हुई थी। इसमें भारत के 20 जवान शहीद हो गए थे, जबकि चीन 38 सैनिक मारे गए थे, हालांकि चीन इसे लगातार छिपाता रहा। जवानों की नदी में बहने से मौत हुई थी।

गलवान घाटी पर दोनों देशों के बीच 40 साल बाद ऐसी स्थिति पैदा हुई थी। इसके बाद अब हिंसक झड़प की खबर सामने आई है। गलवान पर हुई झड़प के पीछे की वजह यह थी कि गलवान नदी के एक सिरे पर भारतीय सैनिकों अस्थाई पुल बनाने का फैसला लिया था। चीन ने इस क्षेत्र में अवैध रूप से बुनियादी ढांचे का निर्माण करना शुरू कर दिया था।

मोदी की हत्या की बात कहने वाला कांग्रेस नेता गिरफ्तारः पटेरिया के घर सुबह 5.30 बजे पहुंची पुलिस; पार्टी भी नोटिस देगी

भोपाल/दमोह/पन्ना। मोदी की हत्या की बात कहने वाले MP के कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री राजा पटेरिया को मंगलवार सुबह 5.30 बजे उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। पटेरिया अपने गृहनगर दमोह के हटा में थे। पुलिस ने यहीं से उन्हें अरेस्ट किया। पुलिस पटेरिया को JMFC कोर्ट पवई में पेश करेगी। इससे पहले राजा पटेरिया को पुलिस पवई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गई। बता दें, पटेरिया ने 11 दिसंबर को एक सभा में कहा था, 'अगर लोकतंत्र को बचाना है तो मोदी की हत्या को तत्पर रहो। इन द सेंस हराने का काम करो।' उनके इस बयान पर भाजपा हमलावर हो गई। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने सोमवार को पटेरिया पर FIR के निर्देश दे दिए। इसके बाद पन्ना के पवई थाने में केस दर्ज किया गया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के असली भाव प्रकट हो गए हैं।

पटेरिया ने माफी मांगी, कांग्रेस नोटिस जारी कर सकती हैः हालांकि, पटेरिया ने अपने बयान पर सोमवार की रात को माफी मांग ली। उधर, कांग्रेस उनको नोटिस जारी कर सकती है। इससे पहले पटेरिया ने कहा था- 'मैं गांधी को मानने वाले हूं और गांधी को मानने वाला हत्या की बात नहीं कर सकता। मेरा VID-EO गलत तरीके से प्रचारित किया जा रहा है।'

इन धाराओं के तहत दर्ज किया मामलाः राजा पटेरिया पर पन्ना जिले के पवई थाने PWD इंजीनियर के आवेदन पर 12 दिसंबर को FIR दर्ज की गई थी। पुलिस ने IPC की धारा 451, 504, 505(1)(b), 505(1)(c), 506, 153b(1)(c) के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

अब जानते पूर्व मंत्री का पूरा बयानः पटेरिया का यह बयान 11 दिसंबर का है। वे पन्ना जिले के मंडलम में कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे। तभी उन्होंने कहा, 'मोदी इलेक्शन खत्म कर देगा। मोदी धर्म, जाति, भाषा के आधार पर बांट देगा। दलितों का,आदिवासियों का और अल्पसंख्यकों का भावी जीवन खतरे में है। संविधान अगर बचाना है तो मोदी की हत्या करने के लिए तत्पर रहो। हत्या इन द सेंस ... हराने के लिए तैयार रहो।'

कांग्रेस ने बयान से दूरी बनाई, कमलानाथ ने निंदा कीः कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा, 'वीडियो में जरा भी सच्चाई है तो ऐसे बयान की कड़ी निंदा करता हूं। कांग्रेस एक-एक कार्यकर्ता बापू के सत्य-अहिंसा के सिद्धांत का पालन करता है। अहिंसा के मार्ग पर चलकर बलिदान देना हमारा कर्तव्य पथ है।' अब कहा जा रहा है कि कांग्रेस पटेरिया को नोटिस जारी कर सकती है।

काबुल में चीनी होटल पर हमला तालिबान हुकूमत ने कहा- तीनों हमलावर मारे गए, दो विदेशी नागरिक घायल

काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में सोमवार को चीनी होटल के नाम से मशहूर एक रेस्टोरेंट और गेस्ट हाउस पर हमला हुआ। हमला दोपहर करीब 3 बजे हुआ। देर शाम तालिबान ने कहा- कुल तीन हमलावरों ने होटल को निशाना बनाया था। तीनों को मार गिराया गया है। घटना में दो विदेशी नागरिक घायल हैं। हमले के वक्त होटल में कई चीनी नागरिक मौजूद थे। कुछ फुटेज भी सामने आए। इनमें होटल के एक हिस्से में आग नजर आ रही थी। यह हमला ऐसे वक्त हुआ जब शुक्रवार को ही चीन के एम्बेसेडर ने काबुल में अपनी एम्बेसी की सिक्योरिटी को लेकर तालिबान के अफसरों से बातचीत की थी। दो हफ्ते पहले इसी इलाके में मौजूद पाकिस्तान की एम्बेसी पर फायरिंग की गई थी। इसमें एक पाकिस्तानी डिप्लोमैट घायल हो गया था।

बिल्डिंग का नाम चीनी होटल क्योंः रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस होटल से चंद मीटर की दूरी पर एक गेस्ट हाउस है। यहां ज्यादातर चीनी नागरिक और डिप्लोमैट्स आते हैं। लिहाजा, इस होटल का नाम ही चीनी होटल पड़ गया। इस बिल्डिंग में स्नूकर हॉल और स्विमिंग पूल जैसी फैसिलिटी मौजूद हैं।

बड़ा ब्लास्ट हुआः न्यूज एजेंसी AP ने एक चश्मदीद के हवाले से कहा- होटल के अंदर बहुत बड़ा ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद आग लग गई। चीन और अफगानिस्तान के बीच 76 किलोमीटर लंबा बॉर्डर है। तालिबान के हुकूमत में आने के बाद यहां चीनियों की आवाजाही बढ़ गई है। चीन यहां जड़ें जमाने की कोशिश कर रहा है।

चीन की सरकार को डर है कि अफगान तालिबान और ISIS खोरासान ग्रुप चीन के उईघर मुस्लिमों की मदद कर सकते हैं। लिहाजा, जिनपिंग सरकार तालिबान हुकूमत को खुश रखने की तमाम कोशिशें कर रही है। कुछ दिन पहले पाकिस्तान की एम्बेसी पर हुए हमले की जिम्मेदारी ISIS के खोरासान ग्रुप ने ली थी।

सोमवार को चीनी होटल पर हुए हमले की जिम्मेदारी अभी तक किसी ग्रुप ने नहीं ली। माना जा रहा है कि चीन चुपचाप अफगानिस्तान की तांबा खदानों पर कब्जा करना चाहता है और इसकी वजह से कुछ लोकल ग्रुप्स भी उससे नाराज हैं।

अगस्त में मस्जिद पर हुए हमले में 20 लोगों की हुई थी मौतः अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में अगस्त में भी एक मस्जिद में धमाका हुआ था, जिसमें 20 लोगों की मौत हो गई थी। टोलो टीवी के टेलीग्राम चैनल के मुताबिक, काबुल के खैरखाना इलाके में 'अबूबकिर सेदिक' मस्जिद में मगरिब की नमाज के दौरान यह धमाका हुआ था।

तालिबान के सुरक्षा अधिकारियों ने बताया था कि काबुल के पीडी-17 एरिया में हुए इस ब्लास्ट मस्जिद के मौलवी आमिर मोहम्मद काबुली की भी मौत हो गई थी।

भारतीय दूतावास भी रहे हैं निशाने परः अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास भी निशाने पर रहे हैं। अगस्त 2013 में जलालाबाद में दूतावास पर हमले करने वाले तीन आत्मघाती हमलावरों को मार गिराया था। उस दौरान अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत अमर सिन्हा ने मारे गए लोगों और घायल लोगों से खुद मिलकर सुरक्षा देने केलिए धन्यवाद दिया था।

जबरन मिलिट्री करियर में धकेले जा रहे हजारों बच्चे

अमेरिका के कई स्कूलों पर लगे आरोप, बच्चे और मां-बाप कर रहे विरोध

वॉशिंगटन। अमेरिका के स्कूलों में पढ़ने वाले हजारों बच्चों को उनकी मर्जी के बिना मिलिट्री करियर की तरफ धकेला जा रहा है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट ने इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि देशभर में कई पब्लिक स्कूल ऐसे हैं जो उनके यहां पढ़ने वाले बच्चों को जबरदस्ती अमेरिका की मिलिट्री के जूनियर रिजर्व ऑफिसर ट्रेनिंग कॉर्प्स यानी JROTC में भर्ती करा रहे हैं।

अमेरिका के डेट्रायट शहर में परशिंग हाई स्कूल में पढ़ रही एंड्रेया थोमस ने द न्यूयॉर्क टाइम्स को इसकी जानकारी दी है। उसने कहा, स्कूल के पहले दिन जब मैंने अपने स्कूल का शेड्यूल देखा तो पता चला कि मेरी मर्जी के बिना ही मेरा नाम JROTC की क्लास के लिए दर्ज कर लिया गया है। मैंने स्कूल के प्रशासन को कई बार मेरा काटने के लिए कहा लेकिन उसके बाद भी ऐसा नहीं किया गया। एंड्रेया की तरह ही कई बच्चों और उनके मां-बार ने टाइम्स से बातचीत में इस कोर्स को लेकर अपनी पेरशानी बताई है।

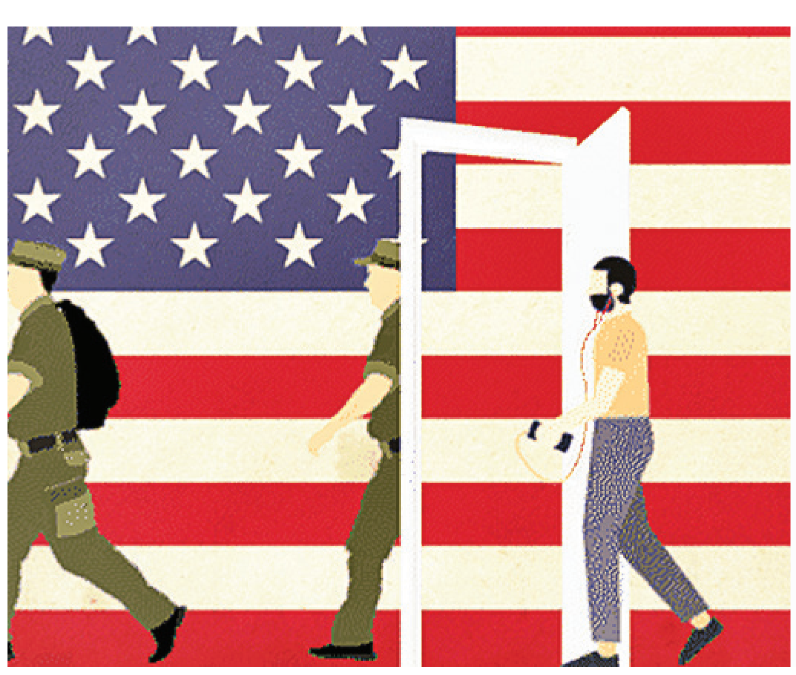

पहले जाने क्या है JROTC प्रोग्राम

दरअसल अमेरिका में JROTC प्रोग्राम को यूएस मिलिट्री फंड करती है। इसमें बच्चों को मिलिट्री ज्वाइन करने के लिए तैयार किया जाता है। दाखिला लेने वाले सभी बच्चों को लीडरशिप, कई तरह के स्किल, अनुशासन सीखने के लिए कड़ी ट्रेनिंग से गुजरना पड़ता है। इस प्रोग्राम की ट्रेनिंग मिलिट्री से रिटायर हुए सैनिक देते हैं। अमेरिका के लगभग 3500 स्कूलों में इसके सेंटर हैं। माना जाता है कि इस ट्रेनिंग से गुजरने के बाद ज्यादातर बच्चे मिलिट्री को करियर बनाने की ओर बढ़ते हैं।

प्रोग्राम में शामिल किए गए ज्यादातर बच्चे अश्वेत

टाइम्स ने JROTC प्रोग्राम की सच्चाई को बाहर लाने के लिए 200 से ज्यादा रिकॉर्डस चेक किए। इसमें सामने आया कि दर्जनों स्कूलों में इस प्रोग्राम को अनिवार्य किया हुआ है। यानी स्कूल में दाखिला लेने वाले बच्चों को इस ट्रेनिंग से गुजरना ही होगा। रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा हुआ कि इस ट्रेनिंग में भर्ती होने वाले ज्यादातर बच्चे अश्वेत हैं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के परिवारों से आते हैं।

वियतनाम युद्ध में सैनिकों की भर्ती में की मदद

टाइम्स के मुताबिक अमेरिका में JROTC प्रोग्राम 100 साल से भी ज्यादा पुराना है। इसको लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुके हैं। 1970 में वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिका में कई प्रदर्शन हुए थे। जिसमें परेशान अमेरिका की जनता ने युद्ध को खत्म करने की मांग की थी। इसी दौरान यह भी आरोप लगे थे कि JROTC प्रोग्राम में दाखिल हाई स्कूल के कई बच्चों को लड़ने के लिए वियतनाम भेजा जा रहा था। जिसके चलते कई जिलों के स्कूलों ने इस प्रोग्राम पर रोक लगाई थी।

1970 से तीगुना हुआ बजट

पैंटागन के अफसर बार-बार कहते हैं कि JROTC सैनिकों की भर्ती का जरिया नहीं है। इसके बावजूद लगभग पैंटागन इसका बजट एक साल के लिए 400 मिलियन डॉलर करना चाहता है। 1970 से लेकर अब तक इस प्रोग्राम के बजट में तीन गुना इजाफा हो चुका है। आर्मी के मुताबिक हाल ही में भर्ती किए गए सैनिकों में से 44 फीसदी JROTC से निकले हुए बच्चे होते हैं। हाई स्कूल के प्राचार्यों का मानना है कि जो बच्चे इस तरह के प्रोग्राम में दाखिला लेते हैं वो दूसरे बच्चों से ज्यादा अनुशासित होते हैं। ऐसे ही कुछ विचार मिलिट्री अफसरों के भी हैं। एक रिसर्च का हवाला देते हुए टाइम्स को सेना के एक अफसर ने कहा कि इस प्रोग्राम में दाखिला लेने वाले छात्रों के ग्रैजुएशन करने की दर दूसरों से ज्यादा है।

एक नज़र

आचार्य रविन्द्र के वास्तुटिप्स से विद्याधर थाने ने अर्जित की उपलब्धियाँ

हिलव्यू समाचार
जयपुर। आज तारा ज्योतिष साधना केंद्र के अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य के द्वारा राजधानी जयपुर के पुलिस थाना विद्याधर नगर जयपुर के थानाधिकारी श्री वीरेंद्र जी कुरील का जन्मदिवस मनाया

भारतीय संस्कृति के अनुसार तिलक कर वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ सम्मान किया सम्मान स्वरूप बाबा श्याम का दुपट्टा व माला पहनाकर सम्मानित किया ! थाना अधिकारी वीरेंद्र कुरील ने आचार्य को माला पहनाकर सम्मान किया और आशीर्वाद लिया गत वर्ष अंतरराष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने थाने का वास्तु परीक्षण कर कुछ उपाय बताए थे उन उपायों से आज कई उपलब्धियां प्राप्त की है !

1. सबसे प्रथम श्रेणी का आदर्श थाना बना।
2. थाने से तीन सिपाही जिनको गैलेंट्री प्रमोशन हुआ।
3. राजस्थान का सबसे अच्छा स्वागत कक्ष विद्याधर नगर थाना का मिला है।
4. आचार्य जी के दिशानिर्देशानुसार थाने का वास्तु टिप्स के बाद एसएचओ विरेंद्र जी कुरील ने कई उपलब्धियां हासिल की।

साथ में तेजपाल जी, पंडित राकेश शास्त्री ,राहुल दाधीच, केशव मिश्रा, हितेश मिश्रा सारस्वत मिश्रा ,मुकेश शर्मा, रोहित अग्रवाल आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आगामी बजट 2023-24 के लिए उद्यमियों ने दिए सरकार को सुझाव

पेट्रोल-डीजल पर वैट घटाने के साथ टोल टैक्स की दरें भी की जाएं कम

जयपुर (हिलव्यू समाचार)। आगामी बजट में 2023-24 में प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने और वित्तीय सुधार के लिए औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने संगठन में वर्तमान में आ रही समस्याओं, वित्तीय राहत एवं करों की अदायगी के सरलीकरण की मांग की है। इस दौरान प्रतिनिधियों ने पेट्रोल-डीजल की वैट दरों में कमी की मांग के साथ सेस को समाप्त करते हुए टोल टैक्स में कमी की मांग भी की। शनिवार को शासन सचिवालय में राज्य के प्रमुख औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधियों से बैठक में सुझाव आमंत्रित किए गए। प्रमुख शासन सचिव, वित्त अखिल अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य के उद्योगों एवं व्यवसायियों को आगामी बजट में राहत प्रदान करने के लिए उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर विचार-विमर्श किया गया।

बजट को समावेशी बनाने के प्रयास

बैठक में अरोड़ा ने कहा कि आगामी बजट को अधिक समावेशी, समयानुकूल और जनकल्याणकारी बनाने की दिशा में समाज के विभिन्न वर्गो से जो सुझाव लिए जा रहे हैं। बैठक में वित्त सचिव के.के. पाठक, संयुक्त सचिव नम्रता वृष्णी, वाणिज्यिक कर विभाग के आयुक्त रवि कुमार सुरपुर, रीको के प्रबंध निदेशक शिव प्रसाद नकाते सहित संबंधित अधिकारी सम्मिलित थे।

सांसद डॉ. किरोड़ी ने समान नागरिक संहिता को बताया तुष्टीकरण का समाधान, बोले...

जनता से किए गए वादों पर खरी नहीं उतरी गहलोत सरकार

कुलदीप गुप्ता
जयपुर। राज्यसभा सांसद और भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश में चल रही भाजपा की जन आक्रोश यात्रा के तहत कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा।

डॉ. मीणा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार कई आश्वासनों के साथ सत्ता में आई, लेकिन उन पर खरी नहीं उतरी। वर्ष 2018 के घोषणा पत्र में कहा थी कि सरकार प्रदेश में सांप्रदायिक सद्भाव को बनाए रखते हुए असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करेगी, लेकिन पिछले 4 सालों में इसके उलट ही देखने को मिला। तुष्टीकरण की नीति के चलते प्रदेश सरकार ने करौली में नवसंवत्सर की रैली में हुई हिंसा के मुख्य आरोपी कांग्रेस पार्षद मजलूफ अहमद को सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने व आतंकी संगठन पीएफआई से जुड़ाव के बावजूद भी गिरफ्तार नहीं किया।

कांग्रेस सरकार पर पीएफआई को संरक्षण देने का लगाया आरोप

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कांग्रेस सरकार पर पीएफआई जैसे संगठन को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार को करौली हिंसा में पीएफआई की भूमिका की जांच करनी चाहिए। करौली हिंसा से पूर्व पीएफआई के द्वारा एक पत्र पुलिस प्रशासन को भेजा गया, जिसमें लिखा था कि करौली में हिंसा हो सकती है। लेकिन राज्य सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह बात सरकार द्वारा उसे प्राप्त संरक्षण पर मुहर लगाती है। इसी प्रकार प्रदेश में पूर्व नियोजित तरीके से बहुसंख्यकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। किरोड़ी लाल मीणा ने उदयपुर में आतंकियों द्वारा कन्हैयालाल की निर्मम हत्या, झालावाड़ में कृष्णा वाल्मीकि, अलवर में योगेश जाटव की हत्या जैसे कई मॉब लिंचिंग के मामलों को लेकर सरकार को असंवेदनशील करार दिया।

भाजपा उठा रही बहुसंख्यकों की आवाज

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि प्रदेश में 4 साल से भाजपा बहुसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की आवाज उठा रही है, लेकिन सरकार पूर्ण रूप से लापरवाह है। उन्होंने कहा कि घोषणा-पत्र में सांप्रदायिक सद्भाव की बात करने वाली कांग्रेस ने सत्ता में आने पर इसका उल्टा किया और प्रदेश का बहुसंख्यक अपने आप को शोषित और हिंसा से पीड़ित महसूस कर रहा है। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने राजस्थान सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि तुरंत प्रभाव से इस भेदभाव पूर्ण नीति को खत्म कर कानून व्यवस्था को सुधारते हुए बहुसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों से सख्ती से निपटें।

समान नागरिक संहिता पर केंद्र गंभीर

समान नागरिक संहिता बिल पर डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि केंद्र सरकार समान नागरिक संहिता को लेकर गंभीर है। समान नागरिक संहिता देश के सर्वांगीण विकास और देश के प्रत्येक व्यक्ति को समानता का अधिकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। कांग्रेस द्वारा सॉफ्ट हिंदुत्व अपनाने पर डॉ. मीणा ने कहा कि भाजपा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की पार्टी है। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद ने कांग्रेस को मजबूर किया कि वह हिंदुत्व की शरण में गई वरना पहले तो कांग्रेस का हिंदुत्व और देश की संस्कृति से कोई लेना-देना नहीं था।

सिटी पैलेस में हुआ चौथे जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल का शुभारंभ

400 स्कूली बच्चों ने फड़ से पढ़ा इतिहास

हिलव्यू समाचार
जयपुर। ऐतिहासिक हेरिटेज आंगन में स्टूडेंट्स क्रिएटिविटी के साथ ही गायन देखने वालों को इतिहास में ले गए। उनकी ओर से परफॉर्मेंस में दिए गए मैसेज खास रहे, जिनको जयपुराइट्स ने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। नजारा था सिटी पैलेस में मंगलवार से शुरू हुए चौथे जयपुर हिस्ट्री फेस्टिवल की शुरूआत का, जिसमें जयपुर के स्कूली स्टूडेंट्स ने परफॉर्म किया। चार दिवसीय फेस्टिवल 16 दिसंबर तक चलेगा। इसका आयोजन महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय द्वारा 'रूफटॉप' के सहयोग से किया जा रहा है। इस वर्ष की थीम 'फड़ से पढ़' रखी गई है। कार्यक्रम में 19 विभिन्न स्कूलों के लगभग 1400 स्टूडेंट्स ने भाग लिया।

वर्कशॉप में दिखाई क्रिएटिविटी

बच्चों के लिए विविध विषयों पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसमें मास्क मेकिंग, एंगेजिंग बोर्ड, जेंटेंगल आर्ट, जूलरी मेनिया, ब्लॉक प्रिंटिंग, टेक्सचर, इको पेंटिंग, ओरिगामी, स्पेस मेकिंग, न्यूजपेपर वीविंग, मंडाना, फड़ आदि प्रमुख थीं। कार्यशालाएं आर्क कॉलेज ऑफ डिजाइन, पोद्दार इंस्टीट्यूट, एपेक्स इंस्टीट्यूट और धारव हाई स्कूल द्वारा आयोजित की गई थीं। इस दौरान विशेषज्ञों ने राजस्थान की गई प्राचीन पद्धतियों को पेश किया और उनके इतिहास से नई पीढ़ी को रूबरू कराया। स्टूडेंट्स ने प्रेक्टिकली उनको करके देखा और अपनी क्रिएटिविटी उसमें दिखाई। इस दौरान डिजाइन और मेकिंग खास रही, जिसमें हुनर दिखाई दिया।

17 देशों के 44 प्रतिनिधि मिले विधानसभा अध्यक्ष से

संविधान व समृद्ध परंपराओं से होता है विधानसभा का संचालन: डॉ. जोशी

हिलव्यू समाचार
जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी से सोमवार को राजस्थान विधानसभा में 17 देशों के 44 प्रतिनिधियों ने मुलाकात की। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने विधानसभा की कार्य प्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी दी। डॉ. जोशी ने कहा कि विधानसभा की कार्यवाही का संचालन संविधान, विधानसभा के नियमों व नियमावली और समृद्ध परंपराओं के तहत् किया जाता है। यह दल लोकसभा सचिवालय में 36वें संसदीय इंटर्नशिप कार्यक्रम में भाग लेने आया है। कार्यक्रम का आयोजन लोकसभा सचिवालय के संसदीय लोकतंत्र शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (प्राइड) द्वारा किया जा रहा है। दल में बांग्लादेश, कंबोडिया, गाम्बिया, घाना, गोनिया, ईराक, कजाग्स्तिान, मेसेडोनिया, मालदीव्स, म्यांमार, नेपाल, सियाचिल्स, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, तंजानिया, उरूग्वे और जिम्बाबे की संसदों के अधिकारी शामिल थे। डॉ. जोशी ने विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों को बताया कि विधानसभा के सदस्यों की जवाबदेही जनता के प्रति होती है। विधानसभा में जन कल्याण के विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा होती है। लोकतंत्र में विभिन्न विचारधाराओं के प्रतिनिधि मिलकर जनहित में कार्य करते हैं।

नेता प्रतिपक्ष कटारिया ने बताई पक्ष-विपक्ष की भूमिका

विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि विधानसभा में विपक्ष व पक्ष द्वारा सकारात्मक सहयोग से कानून निर्माण की प्रक्रिया को पूरा किया जाता है। विधानसभा की प्रक्रिया में विधायकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कार्यक्रम में विधायक वाजिब अली ने विधानसभा के प्रश्नकाल, विधायक अशोक लाहोटी ने बजट प्रस्तुतीकरण की प्रक्रिया, विधायक जे.पी. चंदेलिया ने विधानसभा में समितियों की कार्य व्यवस्था, विधायक कल्पना देवी और विधायक अनिता भदेल ने विधानसभा में महिला विधायकों की जिम्मेदारियों के बारे में बताया।

संविधान पार्क और नवग्रह-नक्षत्र वाटिका का शिलान्यास

संस्कृत विवि में खोला जाएगा प्रवेशिका विद्यालय!

हिलव्यू समाचार
जयपुर। जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय में शनिवार को संविधान पार्क नवग्रह नक्षत्र वाटिका का शिलान्यास ओर योग साधना भवन का लोकार्पण राजयपाल कलराज मिश्र की अध्यक्षता में हुआ। इस मौके पर सांसद रामचरण बोहरा ने विश्वविद्यालय में सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए सांसद निधि से पचास लाख रुपए देने की घोषणा की। संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने विश्वविद्यालय में प्रवेशिका विद्यालय खोलने की घोषणा की। बगरू विधायक गंगा देवी ने विश्वविद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए बीस लाख रुपए देने की घोषणा की।

कुलपति ने की ये मांगें

कुलपति प्रो. रामसेवक दुबे ने सांसद रामचरण बोहरा से यहां वरिष्ठ उपाध्याय विद्यालय खुलवाने, विशाल ऑडिटोरियम बनवाने एवं सौर ऊर्जा 300 किलोवाट पैनल लगवाने की मांग की। बगरू विधायक गंगा देवी ने संगीत संकाय खुलवाने तथा संगीत संकाय में पद स्वीकृत करने की मांग की। दुबे ने बताया कि विश्वविद्यालय में बनने जा रही नवग्रह-नक्षत्र वाटिका नक्षत्र शाला, वेधशाला और यज्ञ शाला से परिपूर्ण विश्व की अपनी तरह की अनूठी वाटिका होगी। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा योग आत्मविकास का सबसे बड़ा माध्यम है। राजभवन में भी संविधान पार्क का शीघ्र लोकार्पण होगा। मिश्र ने कहा कि विश्वविद्यालय में नवनिर्मित योग साधना भवन को योग के शास्त्रीय अध्ययन केन्द्र के रूप में विकसित किया जाए, जहां योग से जुड़े शास्त्रों और योग की महान धरोहर से जुड़े आधुनिक ज्ञान को संस्कृत से अनुदित कर हिंदी और दूसरी भाषाओं में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यहां आधुनिक संदर्भों में योग संस्कृति से जुड़े व्याख्यान आयोजित किए जाने का सुझाव भी दिया। उन्होंने संस्कृत भाषा के आधुनिक विकास के लिए सभी से मिलकर कार्य करने की आवश्यकता जताई। संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने विश्वविद्यालय में प्रवेशिका विद्यालय खोलने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि विश्व में भारत देश की प्रतिष्ठा संस्कृत और हमारी संस्कृति से ही है।

वर चाहिए

31 वर्ष 5'7" Software Engineer MNC Bangalore में कार्यरत एवं 29 वर्ष 5'2" B.Com, LL.B., LL.M Legal Faculty exp. 1 year हेतु Earning, योग्य एवं समकक्ष समस्त वैष्णव/ ब्राह्मण,शाकाहारी, किसी भी प्रकार के नशे से मुक्त वर ही स्वीकार्य। दहेज़ एवं ख़र्चीली शादी चाहने वाले कृपया माफ करें।

सम्पर्क करें- Mob. 9079046718

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, एवं मुद्रक शालिनी श्रीवास्तव के लिए अम्बर ऑफसेट प्राइवेट लिमिटेड, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर में मुद्रित एवं प्लॉट नंबर C-2,अर्शिया रेजिडेंसी, फ्लैट नंबर 201,आदर्श नगर,राजा पार्क जयपुर-302004 (राजस्थान) से प्रकाशित।
संपादक : शालिनी श्रीवास्तव **सह-संपादक:** हरीश श्रीवास्तव, छबड़ा बारां **सह-संपादक :** कुलदीप गुप्ता, जयपुर मो.: 9460678701, 7976561127 (21 जून 2014 से निरन्तर प्रकाशित) hillviewsamachar@gmail.com (राजस्थान सरकार से विज्ञापन हेतु स्वीकृत)